मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-30, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

लोकतंत्र जनादेश से चलेगा अराजकता के दबाव से नहीं



डॉ. मोहन यादव

लोकतंत्र में सत्ता की चाबी जनता के हाथ में होती है। मतदान केंद्र पर खड़ा सामान्य नागरिक अपने एक मत से सरकार बनाता है, उसके काम का मूल्यांकन करता है और भविष्य की दिशा तय करता है। उसकी यह शक्ति किसी राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह हमारे संविधान की व्यवस्था है, जिसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इसीलिए लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल से जनता को यह अपेक्षा करने का अधिकार है कि वह अपने व्यवहार में भी लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करे। लोकतंत्र के प्रति निष्ठा की परीक्षा सत्ता में रहते हुए भी होती है और विपक्ष में बैठकर भी। जनादेश का सम्मान सुविधा के अनुसार नहीं हो सकता।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में जीत का उत्सव और हार का आत्म-मंथन, दोनों आवश्यक हैं। जनता के निर्णय से असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विवेक का अनादर लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को जनता का विश्वास अपने कार्य, विचार और आचरण से अर्जित करना चाहिए। विरोध की राजनीति में जनता का हित नहीं होता। एक सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की आवश्यकता है। सरकार से कठिन प्रश्न पूछना, नीतियों की कमियाँ उजागर करना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रश्नों का उत्तर दे और उचित सुझावों को स्वीकार करे। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श का केंद्र समाधान के स्थान पर निरंतर भय, अविश्वास और टकराव बनने लगे, तब उसका मूल्यांकन भी होना चाहिए।

आज विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस हो रही है। इस बहस का केंद्र प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार और मतदाता सूची की विश्वसनीयता होना चाहिए। एक सही मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। उसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ें, गलत विवरण सुधरें और मृत अथवा दोहरी प्रविष्टियों का निराकरण निर्धारित प्रक्रिया से हो। साथ ही, किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने पर उसे सुधार का प्रभावी अवसर मिले। जनता के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता की सुविधा और सुरक्षा के प्रति भी जवाबदेह होना होगा। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए, शांतिपूर्ण विरोध को सम्मान मिले और हिंसा पर निष्पक्ष, विधिसम्मत कार्रवाई हो। मतदाता सूची पर बहस हो, लेकिन मतदाता के मन में भ्रम नहीं फैलाया जाना चाहिए।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में जिस प्रकार से विपक्ष के लोगों ने देश में अराजकता फैलाने का काम किया है, वह राष्ट्रहित में नहीं है। हमारे संविधान में मतदाता को जो अधिकार दिये गये हैं, उसी से हमारे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। भारत के कुछ अंचलों में बाहरी लोगों का मतदाता बन जाना कहा का कानून है। यदि एसआईआर में मतदाता सूची का शुद्धीकरण हो रहा है तो विपक्ष को भी साथ देना चाहिए, न कि उसका विरोध करना चाहिए। मुझे इस बात पर भी आश्चर्य होता है कि विपक्ष ईवीएम का भी विरोध कर रहा है। हाल ही में चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार कर्नाटका में एमएलसी के चुनाव में वेलेट पेपर से मतदान हुआ। इन राज्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस को कितनी सीटे मिली यह सब जानते है। इसके बावजूद भी विपक्ष अपनी फितरत से बाज नहीं आता।

समाज निरंतर बदलता है। लोग आजीविका के लिए स्थान बदलते हैं, युवा मतदान की आयु पूरी करते हैं और परिवारों की परिस्थितियाँ बदलती हैं। इन परिवर्तनों के अनुरूप मतदाता सूची का अद्यतन आवश्यक है। किसी प्रक्रिया में कठिनाई सामने आए तो उसे दूर करना चाहिए। किसी त्रुटि का प्रमाण मिले तो उसका सुधार होना चाहिए। मतदाता की सहायता किए बिना केवल उसकी आशंका को राजनीतिक अभियान का ईंधन बनाना सार्वजनिक जिम्मेदारी से बचना है। लोकतंत्र की चिंता व्यवहार में दिखनी चाहिए। किसी मतदाता की समस्या हल कराने में लगाया गया श्रम, उसके भय को बढ़ाने वाले भाषणों से अधिक उपयोगी है।

मुख्यमंत्री के रूप में मेरा विश्वास है कि प्रदेश की ऊर्जा, विकास और निर्माण में लगनी चाहिए। किसान को बेहतर अवसर चाहिए, युवा को रोजगार और कौशल चाहिए, महिलाओं को सुरक्षा चाहिए और प्रत्येक परिवार को संवेदनशील शासन चाहिए। इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक विश्वास आवश्यक हैं। हम राजनीतिक बहस को जनता के वास्तविक प्रश्नों से जोड़ें। सरकार अपने काम का हिसाब दे। विपक्ष बेहतर विकल्प रखे। नागरिक निर्भय होकर अपनी बात कहें। निर्वाचन प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए सबको मिलकर सहयोग करना होगा।

लोकतंत्र की ताकत उस नागरिक के विश्वास में है, जो कह सके कि सरकार किसी भी दल की हो, उसके अधिकार और सम्मान की रक्षा होगी। ह्लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओह्व केवल एक नारा या विचार नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य भी है। हर राजनैतिक दल का यह दायित्व होना चाहिए कि जनादेश का सम्मान हो, विरोध में मयार्दा हो, शासन में जवाबदेही हो और कानून के सामने सब समान हों। भारत की दिशा जनता अपने मत से तय करेगी। राजनीतिक सफलता का रास्ता उसी जनता के विश्वास अर्जित करने से होकर जाएगा। यही लोकतंत्र की सच्ची भावना है।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मुख्यमंत्री ने धर्म, अध्यात्म, सामाजिक संस्कार और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई

सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित

एक सत बुलेटिन, गोटेगांव



मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूज्य कथाव्यास सांवरे सरकार पंडित विपिन बिहारी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को स्मरण किए बिना कोई भी सरकार सार्थक कार्य नहीं कर सकती। हमारी सनातन संस्कृति ही हमारी पहचान और हमारी जीवनशैली का आधार है। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश सरकार धार्मिक एवं आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक तीर्थस्थल एवं धर्मस्थल की पवित्रता और गरिमा को बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे क्षेत्रों में शराब की दुकानों को बंद कराने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके साथ ही परिक्रमा पथों के विकास, श्रीराम पथ गमन मार्ग के उत्थान तथा प्रत्येक नगर और ग्राम में गीता भवनों के माध्यम से धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज की शक्ति को कमजोर कर रहा है। सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए सख्ती के साथ प्रभावी कदम उठाएगी। हमारा संकल्प है कि वर्ष 2029 तक इस दिशा में ठोस और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जाएं, ताकि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहकर राष्ट्र और समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी, 2029 तक नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक बुराइयों को दूर करने और धार्मिक वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश की 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी का निर्णय लिया है। सरकार का प्रयास है कि समाज को व्यसन और अन्य बुराइयों से मुक्त बनाने के लिए हरसंभव पहल की जाए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध सफलता के बाद अब वर्ष 2029 तक ड्रग्स और नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके।

बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश

चमोली में पायलट समेत 6 यात्रियों की मौत

एजेन्सी, नई दिल्ली



उत्तराखंड में बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा एक प्राइवेट कंपनी का हेलिकॉप्टर जोशीमठ के पास क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं।

हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया। इसके बाद ट्रैकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई।

यह घटना ऐसे समय हुई है, जब उत्तराखंड के कई इलाकों में खराब मौसम बना हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो रही है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तराखंड में क्रैश हुए हेलिकॉप्टर में कर्नाटक पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण भी सवार थे। वहीं, हादसे की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो करेगा।

आखिरी 3 मिनट में जीता मुकाबला

मनीषा विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग जीतने वाली पहली भारतीय



एजेन्सी, कजाकिस्तान

मनीषा भानवाला विमेंस वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शुक्रवार को कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में अमेरिका की एबिगेल नेट को 59 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में 8-6 से हराया। 29 साल की मनीषा मुकाबले के एक समय 1-5 से पीछे थीं। लेकिन उन्होंने आखिरी 3 मिनट में 7 पॉइंट हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मनीषा ने अपने पिता सुरेश का सपना पूरा किया। उनके पिता चाहते थे कि बेटी एक दिन वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन बने। 17 अप्रैल 2022 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया था। मनीषा के कुश्ती में आने की शुरूआत उनके पिता सुरेश की वजह से हुई थी। 2013 में उन्होंने बेटी को फिटनेस सुधारने के लिए कुश्ती के ट्रेनिंग कैंप में भेजा था। धीरे-धीरे कुश्ती मनीषा के लिए फिटनेस से आगे बढ़कर करियर बन गई।

इस सफर में रोहतक का छोटूराम अखाड़ा और कोच मंदीप सिंह अहम रहे। मनीषा ने जापानी कोच कोसेई अकाइशी के मार्गदर्शन में भी अपनी कुश्ती की तकनीक पर काम किया।

धनतेस से पहले खरीदारी का मौका ?

चांदी 9,134 सस्ती, इस महीने में 39 हजार गिरी सोना 2,201 घटकर 1.40 लाख पर आया

एजेन्सी, नई दिल्ली



फेस्टिव सीजन में सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 9,134 रुपए घटकर 1.81 लाख रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 1.90 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,201 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है।

चांदी इस महीने 39,485 रुपए और सोना 8,084 रुपए सस्ता हुआ है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

सोना सस्ता होने की 3 वजहें

ऊंचे भाव पर बिक्री: त्योहारों से पहले सोना काफी महंगा हो गया था, इसलिए बड़े निवेशकों ने मुनाफा कमाने के लिए अपना सोना बेचना शुरू कर दिया।

मजबूत डॉलर का असर: अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड मजबूत हुए, जिससे ग्लोबल मार्केट में सोने की कीमतें नीचे आ गईं।

खरीदारों का हाथ खींचना: रिकॉर्ड महंगे दाम देखकर आम खरीदारों ने दुकानों से फिलहाल सोने की खरीदारी कम की है।

चांदी सस्ती होने की 3 वजहें

फैक्टरियों से कम मांग: चांदी का बड़ा इस्तेमाल सोलर और इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्टरियों में होता है। वैश्विक मंदी के कारण उद्योगों में इसकी मांग घटी है।

बाजार में बिकवाली का दबाव: शेयर और वायदा बाजार के उतार-चढ़ाव में बड़े ट्रेडर्स ने अचानक अपनी चांदी बेच दी, जिससे भाव तेजी से गिरे।

सोने की देखा-देखी: सराफा बाजार में सोना और चांदी एक-दूसरे के पीछे चलते हैं। सोने के भाव गिरते ही चांदी में भी बिकवाली शुरू हो गई।

क्या यह गिरावट लंबी चलेगी ?

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक का सोच कर खरीदारी करें।

जनगणना 2027 की तारीखों का एलान: 25 जनवरी से 28 फरवरी तक होगी आबादी की गिनती

एजेन्सी, नई दिल्ली

देश में लंबे समय से इंतजार की जा रही जनगणना को लेकर सरकार ने तारीखों का एलान कर दिया है। भारत में जनगणना 2027 की प्रक्रिया 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक कराई जाएगी। इस दौरान देशभर में आबादी की गिनती की जाएगी, लेकिन चुनाव वाले और बर्फ से प्रभावित राज्यों को इस प्रक्रिया से छूट दी गई है। जनगणना किसी भी देश के लिए बेहद अहम प्रक्रिया होती है, क्योंकि इससे यह पता चलता है कि देश में कितने लोग रहते हैं और आबादी का स्वरूप कैसा है। भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसके बाद 2021 में प्रस्तावित जनगणना कोरोना महामारी के कारण टाल दी गई थी।

पहली ही कोशिश में मिली सफलता, नौसेना की ताकत बढ़ाने की तैयारी

स्वदेशी आईएनएस विक्रांत पर उतरा राफेल मरीन

एजेन्सी, नई दिल्ली



भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। राफेल मरीन लड़ाकू विमान ने 29 अक्तूबर को स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर पहली ही कोशिश में सफल लैंडिंग की। यह लैंडिंग विमान के परिचालन से पहले चल रहे परीक्षणों के दौरान हुई। नौसेना के मुताबिक, इस सफलता के साथ भारतीय विमानवाहक पोत से राफेल मरीन के संचालन की दिशा में परीक्षणों की शुरूआत हो गई है।

पहली बार हुई सफल लैंडिंग

भारतीय नौसेना ने बताया कि राफेल मरीन विमान ने आईएनएस विक्रांत पर अपनी पहली कोशिश में ही सफलतापूर्वक लैंडिंग की। फिलहाल विमान को नौसेना में परिचालन के लिए तैयार करने की प्रक्रिया के तहत परीक्षण किए जा रहे हैं। इससे पहले गोवा में राफेल मरीन के परीक्षण चल रहे थे। इन परीक्षणों का उद्देश्य विमान में उन जरूरी बदलावों की जांच करना था, जिनकी मदद से वह भारतीय विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत से उड़ान भरने और उस पर उतरने में सक्षम हो सके। भारत ने 28 अप्रैल 2025 को फ्रांस के साथ करीब 63 हजार करोड़ रुपये का रक्षा समझौता किया था। इसके तहत भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदे जाने हैं। इनमें 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान शामिल हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, इन विमानों की आपूर्ति 2028 के अंत या 2029 की शुरूआत तक होने की संभावना है। यह भारत की ओर से राफेल के नौसैनिक संस्करण की पहली खरीद है। इस सौदे में पायलटों का प्रशिक्षण, फ्लाइट सिम्युलेटर, हथियार, जरूरी उपकरण और लंबे समय तक रखरखाव की सुविधा भी शामिल है।

क्या है राफेल मरीन की खासियत ?

राफेल मरीन फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन का बनाया लड़ाकू विमान है। इसे खास तौर पर समुद्र में विमानवाहक पोत से संचालन के लिए तैयार किया गया है। फ्रांस की नौसेना पहले से इसका इस्तेमाल कर रही है। इस विमान का इस्तेमाल हवाई सुरक्षा, समुद्री हमले, निगरानी और जमीन पर मौजूद ठिकानों को निशाना बनाने जैसे अभियानों में किया जा सकता है। इसके शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री अभियानों को अंजाम देने की क्षमता बढ़ेगी।

INS विक्रांत और INS विक्रमादित्य से होगा संचालन

भारतीय नौसेना के पास फिलहाल दो विमानवाहक पोत हैं- आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य। रक्षा समझौते के तहत खरीदे जा रहे राफेल मरीन विमानों को दोनों विमानवाहक पोतों से संचालित करने की योजना है। समझौते में भारतीय हथियारों को राफेल विमानों के साथ जोड़ने के लिए तकनीक हस्तांतरण का प्रावधान भी शामिल है। यह सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के पास पहले से मौजूद राफेल विमानों के लिए अतिरिक्त उपकरण भी इस समझौते का हिस्सा हैं।

हर्राखेड़ा में जनविश्वास शिविर : ग्रामीणों की समस्याओं पर सुनवाई, पात्र हितग्राहियों को मिले हितलाभ

किसानों की सुविधा के लिए नजीबाबाद में शीघ्र खुलेगा नया खाद वितरण केंद्र : कलेक्टर मिश्रा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत बैरसिया तहसील के ग्राम हर्राखेड़ा स्थित पीएम श्री शासकीय अरविंद भार्गव उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में जनविश्वास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं पर सुनवाई की गई तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ वितरित किए गए। विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर नागरिकों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जनता की सुविधाओं और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता : विधायक विष्णु खत्री विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान शासन को सीधे जनता के द्वार तक पहुँचाने की अभिनव एवं जनहितैषी पहल है। आमजन की



समस्याओं का समाधान और उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। खत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के लगभग 50 हजार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि हर्राखेड़ा में नवीन घाट का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जिससे स्थानीय नागरिकों को सुविधा मिल रही है।

10 हजार पौधों से रखी सपनों की नींव, आज हर महीने तैयार कर रहे 15 लाख पौधे



भोपाल। कभी दो हजार वर्गफीट में शुरू की गई छोटी-सी नर्सरी आज हर महीने लगभग 15 लाख पौधे तैयार कर रही है। पानी की कमी से जूझने वाले खेतों में अब आधुनिक पॉलीहाउस हैं और यहां तैयार पौध मध्यप्रदेश के साथ दूसरे राज्यों के किसानों तक पहुंच रही है। यह कहानी है भोपाल जिले के ग्राम रतुआ रतनपुर के किसान भाई श्री हेमंत कुशवाह और श्री ओम कुशवाह की, जिन्होंने मेहनत, प्रशिक्षण और नई तकनीक के सहारे खेती में उद्यम की संभावनाओं को साकार किया है। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने उनकी 'ओम नर्सरी' का अवलोकन कर पौध उत्पादन की जानकारी ली। उन्होंने किसान भाइयों के नवाचार, उद्यमशीलता और आधुनिक तकनीक अपनाकर व्यवसाय का विस्तार करने के प्रयासों की सराहना की। वर्ष 2017-18 में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के संपर्क में आने से दोनों भाइयों को खेती को नई दिशा देने का अवसर मिला। विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्होंने उन्नत कृषि तकनीक, नर्सरी प्रबंधन और पौध उत्पादन की बारीकियां सीखीं। वर्ष 2018 में अपने खेत पर दो हजार वर्गफीट क्षेत्र में पॉलीहाउस नर्सरी स्थापित की और लगभग 10 हजार पौधों से काम शुरू किया। शुरुआत आसान नहीं थी। पौधों को तैयार करने के लिए पानी की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती बनी। दोनों भाइयों ने हिम्मत बनाए रखी और कुएं की खुदाई कर जल स्रोत विकसित किया। इसके बाद सिंचाई सुविधाओं का क्रमिक विस्तार किया। आज उनकी आठ एकड़ भूमि पूरी तरह सिंचित है। प्रशिक्षण से मिली जानकारी को दोनों भाइयों ने अपने काम में उतारा और उत्पादन बढ़ाते गए। वर्ष 2024 में लगभग 45 लाख रुपये के ऋण से नर्सरी के विस्तार को गति मिली। वर्तमान में लगभग दो एकड़ क्षेत्र में संचालित नर्सरी में कुल चार हजार वर्गमीटर क्षेत्र में दो पॉलीहाउस स्थापित हैं।

चिकित्सकों की समस्याओं के निराकरण और बेहतर कार्यपरिस्थितियां सुनिश्चित करने के निर्देश

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने स्वास्थ्य कार्यक्रमों का करें प्रभावी क्रियान्वयन: उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जबलपुर संभाग के अंतर्गत जबलपुर, मंडला एवं नरसिंहपुर जिलों में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सकों से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों को पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मनोयोग से सेवा प्रदाय करने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, उनकी गुणवत्ता में सुधार और आम नागरिकों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। बंधपत्र चिकित्सक ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने चिकित्सकों से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया नियंत्रण, सिकल सेल रोग की पहचान एवं प्रबंधन तथा गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) से संबंधित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया। उप मुख्यमंत्री श्री



शुक्ल ने बंधपत्र चिकित्सकों की पदस्थापना, ज्वाइनिंग, कार्यपरिस्थितियों एवं उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएमएचओ) को निर्देश दिए कि चिकित्सकों के रहने, भोजन, पेयजल, विद्युत तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चिकित्सकों को सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे पूरी क्षमता और समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे सकें। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। जिला स्तर पर आवश्यक प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के साथ ही संबंधित खंड चिकित्सा अधिकारियों (बीएमओ) को भी अपने क्षेत्र में पदस्थ चिकित्सकों की सुविधाओं एवं कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। मंडला जिले की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ डॉ. डी.जे. मोहंती ने जानकारी दी कि जिले में कुल 67 बंधपत्र चिकित्सक पदस्थ किए गए हैं, जिनमें से 50 चिकित्सक ज्वाइन कर सेवाएं दे रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शेष चिकित्सकों की ज्वाइनिंग की स्थिति की समीक्षा करने तथा पदस्थ चिकित्सकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने मंडला जिले के बीजाडांडी विकासखंड के ग्राम जमथर में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सक डॉ. आशीष पारस से सीधे संवाद कर उनकी कार्यस्थिति एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे निर्धारित ओपीडी एवं सेवा स्थल पर उपस्थित रहें, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने बिजली एवं पानी की समस्या के निराकरण और स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जबलपुर के मझगवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सक डॉ. अंजू मरावी से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सक से कार्यक्षेत्र में आने वाली समस्याओं, ओपीडी के समय, टेलीमेडिसिन सेवाओं, अस्पताल में उपलब्ध दवाओं तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मानव संसाधनों की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

फोकस्ड बिजनेस एरिया पर काम करने से स्टार्टअप्स को मिलेगी नई पहचान:प्रदीप करम्बेलकर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्यप्रदेश में स्टार्टअप और उद्यमिता के इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में वीएसपीएल इन्क्यूबेशन सेंटर और भारत ब्रांड कम्युनिटी ने फैशन, फूड, फूड एंड बेवरेज, स्वास्थ्य और होम जैसे पांच बिजनेस क्षेत्रों पर केंद्रित नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित किया। मध्यप्रदेश के पहले प्राइवेट इन्क्यूबेशन सेंटर के रूप में बीएसपीएल की इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स को एक विशेष क्षेत्र में काम करने, अपने बिजनेस आइडिया को बेहतर बनाने और बाजार में अपनी जगह बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में भारत कम्युनिटी के तुषार वडेरा ने अपने कॉन्सेप्ट और कम्युनिटी के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किसी एक बिजनेस क्षेत्र पर फोकस करके किस तरह नए अवसर तलाशे जा सकते हैं और एक मजबूत बिजनेस मॉडल तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम में स्टार्टअप्स के बीच नेटवर्किंग, अनुभव साझा करने और नए व्यावसायिक अवसरों पर भी चर्चा हुई। बीएसपीएल इन्क्यूबेशन सेंटर की मेंटर रिया शाह ने स्टार्टअप्स को सही दिशा देने, उनके आइडिया को बिजनेस में बदलने और बाजार की जरूरतों को समझने के महत्व पर जोर दिया। वहीं, बीएसपीएल के फाउंडर प्रदीप करम्बलेकर ने कहा कि स्टार्टअप्स के विकास के लिए केवल नए आइडिया होना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उद्यमी किसी विशेष क्षेत्र की जरूरतों को समझें और उसी के अनुसार अपने उत्पाद, सेवाओं और बिजनेस मॉडल को विकसित करें। कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और गो-टू-मार्केट स्ट्रेटजी पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स के लिए यह समझना जरूरी है कि तकनीक का इस्तेमाल करके अपने बिजनेस को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

गोबर से दीये बनाने वाले उद्यमी बारेलाल के हुनर की संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने की सराहना



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को विदिशा ज़िले में ग्राम बिछिया स्थित श्रीकृष्ण गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं, संचालन एवं प्रबंधन संबंधी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा की नजर गौशाला परिसर में गोबर से दीये तैयार कर रहे श्री बारेलाल अहिरवार पर पड़ी। वे उनके पास पहुंचे और उनसे आत्मीय चर्चा करते हुए गोबर से दीये बनाने की प्रक्रिया, इस कार्य में लगने वाले समय, तैयार दीयों की विक्रय दर तथा अब तक हुई कुल आमदनी के संबंध में जानकारी ली। श्री अहिरवार द्वारा गोबर से दीये बनाने के हुनर और इस कार्य के माध्यम से आजीविका अर्जित करने की पहल की संभागायुक्त ने सराहना की। उन्होंने उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचारों से स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इस गतिविधि से जोड़ने की सलाह भी दी, ताकि गोबर का उपयोगी उत्पादों के निर्माण में इस्तेमाल हो और लोगों को अतिरिक्त आय का अवसर मिल सके। संभागायुक्त ने गौशाला की गतिविधियों को आजीविका एवं रोजगार से जोड़ने की संभावनाओं पर भी जोर दिया। निरीक्षण भ्रमण के दौरान विदिशा पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वनमंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वोदय अहिंसा अभियान के तहत विद्यार्थियों ने लिया पटाखे नहीं जलाने का संकल्प

करुणा, जीव-दया और पर्यावरण संरक्षण के साथ मनाएंगे दीपावली





■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

सर्वोदय अहिंसा अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-दया के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सर्व विद्या विशारद पाठशाला, प्रीमियर ऑर्किड तथा पंचबालयति पारस धाम स्थित विद्या सुधा पाठशाला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्व विद्या विशारद पाठशाला में शिक्षिकाओं एवं संचालिकाओं श्रीमती दीक्षा, श्रीमती मीना, श्रीमती निशा एवं श्रीमती सुरभि जैन तथा विद्या सुधा पाठशाला में शिक्षिका एवं संचालिका श्रीमती ऋतु जैन ने विद्यार्थियों को पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण, स्वास्थ्य संबंधी नुकसान तथा बेजुबान पशु-पक्षियों को होने वाली पीड़ा के बारे में बताया। प्रेम, करुणा और अहिंसा का पर्व है। प्रकृति की रक्षा और जीवों के प्रति संवेदनशीलता ही त्योहार की सच्ची खुशी है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पटाखे नहीं जलाने तथा दीपावली को सुरक्षित, प्रदूषणमुक्त और पर्यावरण अनुकूल तरीके से मनाने का संकल्प लिया। सर्वोदय अहिंसा अभियान का उद्देश्य बच्चों में करुणा, जीव-दया और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित कर समाज में अहिंसा एवं संरक्षण का संदेश प्रसारित करना है।

'जागृति' के दिव्य प्रकाश और एकत्व के संदेश से आलोकित हुआ 79वाँ वार्षिक निरंकारी संत समागम

देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हुए शामिल, भोपाल जोन से हजारों भक्तों ने की सहभागिता

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आध्यात्मिक जागृति, प्रेम, भक्ति और मानव एकत्व के दिव्य संदेश से ओतप्रोत 79वाँ वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर तक समालखा (हरियाणा) स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित हुआ। परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में संपन्न इस चार दिवसीय समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं सहित भोपाल जोन से हजारों भक्तों ने सहभागिता कर सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन संदेशों का लाभ प्राप्त किया।इस वर्ष समागम का केंद्रीय विषय 'जागृति' रहा। प्रथम दिवस 'मानवता के नाम संदेश' में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने प्रेरित करते हुए फरमाया कि वास्तविक जागृति तभी आती है, जब मनुष्य प्रत्येक पल परमात्मा की उपस्थिति का एहसास करते हुए आध्यात्मिकता को अपने जीवन में धारण करता है। ब्रह्मज्ञान जागृति का अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि उसकी शुरुआत है। सत्संग से प्राप्त शिक्षाओं को अपने व्यवहार में अपनाना, प्रेम एवं विनम्रता से जीवन जीना तथा अहंकार और निंदा से दूर रहना ही सच्ची आध्यात्मिकता की पहचान है।समागम के प्रथम दिवस 'मानवता के नाम संदेश' कार्यक्रम से पूर्व विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की



तथा समागम की आध्यात्मिक विचारधारा, उद्देश्यों और जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। दूसरे दिन भव्य सेवादल रैली का आयोजन हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए हजारों सेवादल भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शारीरिक व्यायाम, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं लघु नाटिकाओं के माध्यम से अनुशासन, सहयोग और निःस्वार्थ सेवा की भावना को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मिशन के शांति एवं एकत्व के प्रतीक श्वेत ध्वज का ध्वजारोहण भी किया गया। सेवादल को आशीर्वाद देते हुए सतगुरु माता जी ने संदेश दिया कि सेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग है। सच्चा सेवादार वही है, जो निरंकार को हृदय में बसाकर हर परिस्थिति में मानवता के कल्याण के लिए तत्पर रहे। इसी दिन सतगुरु माता जी ने जागृति के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और व्यवहार में भी चेतना आवश्यक है। इससे पूर्व निरंकारी राजपिता रमित जी ने दृष्टिहीन व्यक्ति और लालटेन के उदाहरण से समझाया कि केवल बाहरी स्वरूप अपनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि जीवन में ब्रह्मज्ञान, प्रेम और समर्पण का प्रकाश निरंतर जागृत रहना चाहिए। इस अवसर पर चिश्ती फाउंडेशन द्वारा सतगुरु माता जी को ग्लोबल पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। समागम में आधुनिक तकनीक एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से सुसज्जित निरंकारी प्रदर्शनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। इसे मुख्य प्रदर्शनी, बाल प्रदर्शनी तथा संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन प्रदर्शनी सहित तीन भागों में विभाजित किया गया था। इन माध्यमों से मिशन की आध्यात्मिक शिक्षाओं, सामाजिक सेवाओं और मानव कल्याण के कार्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य सचिव ने संभागीय आईटीआई का किया निरीक्षण

जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जबलपुर प्रवास पर आये प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जबलपुर का निरीक्षण किया। संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध?याय, नगर निगम आयुक?त अग्रिम कुमार, संयुक?त संचालक कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा डॉ. अर्पित शुक्ला भी उनके साथ थे। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने संस?थान में संचालित ड्रोन तकनीशियन, फैशन टेक्नोलॉजी, मैकेनिक मोटर व्हीकल, जेरियाट्रिक ओल?ड एज केयर ट्रेड की कार्यशालाओं एवं लैब का तथा यहां युवाओं को दिए जा रहे प्रायोगिक प्रशिक्षण का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन?होंने प्रशिक्षण प्राप?त कर रहे छात्र-छात्राओं से संवाद किया तथा उनके प्रोजेक्ट्स, उद्योग जगत की जरूरतों के अनुसार सीखे जा रहे कौशलों और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने उनका उत्साहवर्धन भी किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी आज

जबलपुर। देश के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर 31 अक्टूबर को सम्पूर्ण प्रदेश के साथ ही जबलपुर शहर में भी रन फॉर यूनिटी (एकता के लिये दौड़) का आयोजन किया जायेगा। रन फॉर यूनिटी सुबह 8 बजे रानीताल खेल परिसर से प्रारंभ होगी। तीन किलोमीटर लंबी यह दौड़ हनुमान मंदिर, महाराष?ट्र स?कूल, यातायात तिराहा, तीन पत?त?ी चौराहा और राइट टाउन स?टेडियम होते हुए वापस रानीताल खेल परिसर पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। जिला खेल एवं युवा कल?याण अधिकारी के अनुसार रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह करेंगे। इसके पहले लौह पुरूष सरदार वल?लभ भाई पटेल के चित्र पर माल?यार्पण किया जायेगा तथा राष?ट्रीय एकता की शपथ ली जायेगी। रन फॉर यूनिटी में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस के छात्र सदस्य तथा विभिन?न खेल संघों से जुड़े खिलाड़ी शामिल होंगे। जिला खेल एवं युवा कल?याण अधि?कारी ने रन फॉर यूनिटी में सहभागिता करने वाले युवा एवं नागरिकों से सुबह 7.30 बजे तक रानीताल खेल परिसर पहुंचने का अग्रह किया है।

दशहरा मिलन समारोह के साथ भगवान परशुराम की महाआरती

जबलपुर। संपूर्ण ब्राह्मण मंच के तत्वावधान में गौरीघाट स्थित परशुराम धाम में दशहरा मिलन समारोह एवं भगवान परशुराम की महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन कर आरती की। कार्यक्रम में डॉ. अरुण मिश्रा, रवींद्र तिवारी एवं यदुवंश मिश्रा को भगवान का विग्रह प्रदान कर संपूर्ण ब्राह्मण मंच की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंच के संयोजक धनंजय बाजपेई ने घोषणा की कि संपूर्ण ब्राह्मण मंच द्वारा शीघ्र ही मानस भवन में निःशुल्क उपनयन संस्कार एवं विवाह परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। कार्यक्रम में धनंजय बाजपेई, पंडित राजकुमार दुबे, सीताराम कुर्चानिया, निशांत शर्मा, सुधा मिश्रा, आभा तिवारी, पुष्पा तिवारी, अभिलाषा दुबे सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

शाहनाला कब्रिस्तान में हर शुक्रवार प्रवेश की अनुमति

जबलपुर। सदर बाजार स्थित औकाफ जामा मस्जिद की ओर से किए गए पत्राचार के बाद सेना मुख्यालय के स्टेशन सेल ने शाहनाला कब्रिस्तान में मुस्लिम समाज को प्रत्येक शुक्रवार प्रवेश की अनुमति दे दी है। 29 अक्टूबर को जारी आदेश में प्रवेश के लिए जैक आरआरसी के लद्दाख गेट को निर्धारित किया गया है। साथ ही कब्रिस्तान जाने वालों की सुरक्षा जांच अनिवार्य की गई है। दोपहिया वाहन से आने वालों को हेलमेट पहनना भी जरूरी होगा। मुस्लिम समाज के अकबर खान का कहना है कि मस्जिद कमेटी ने कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार पर लगी रोक हटाने और पहले की तरह आवागमन शुरू करने की मांग की थी। इसके बजाय सप्ताह में केवल एक दिन प्रवेश की अनुमति देना समझ से परे है।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभिन्न संगठनों के साथ की बैठक

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान में हर वर्ग की हो सहभागिता

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत आगामी 02 नवम्बर को जबलपुर में होने वाली विशाल पद यात्रा में जबलपुर के हर वर्ग से नागरिक, प्रबुद्ध जन एवं आमजन बड़ी संख्या में शामिल हो, इसमें सभी की सहभागिता हो और देश के विपक्षी दलों द्वारा फैलाई जा रही अराजकता के विरोध में एकत्र होकर देश की एकता और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश दें, यह बात लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विभिन्न संगठनों के साथ आयोजित बैठक के दौरान कही। उल्लेखनीय है कि आगामी 02 नवम्बर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल की गरिमामयी उपस्थिति में शहीद स्मारक गोलबाजार से विशाल पद यात्रा निकाली जाएगी, इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में हर वर्ग से लोग शामिल हो इस हेतु मंत्री श्री सिंह ने निजी विद्यालयों, कोचिंग संचालकों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं उप प्राचार्यों, खेल संगठनों, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों के संगठनों, आग्रह फाउंडेशन, हाईकोर्ट एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, कॉफी हाउस के पदाधिकारियों, आईएमए एसोसिएशन, होटल, हॉस्पिटल एसोसिएशन, बिल्डर्स एसोसिएशन, टैक्स बार एसोसिएशन, सी.ए. बार एसोसिएशन, कैट और जीतो संस्था एवं ऑटोमोबाईल एसोसिएशन, सामाजिक संगठनों, एवं पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर पदयात्रा में शामिल होने का आह्वान किया। मंत्री श्री राकेश सिंह ने बैठकों को सम्बोधित करते हुए कहा श्री सिंह ने कहा कि लम्बे समय तक कांग्रेस ने देश में शासन किया, देश उन्नति के जिस शिखर पर होना



था वहां नहीं पंहुचा बल्कि देश को आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी में झोंक दियाकांग्रेस से लेकर भाजपा सरकार तक होता रहा है स्ढुक्र मतदाता सूची के शुद्धिकरण की पुरानी प्रक्रिया मंत्री श्री सिंह ने कहा देश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दल हाय तोबा मचा रहें है लेकिन यह जानना सभी के महत्वपूर्ण है कि स्ढुक्रकोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत देश में स्वतंत्रता के बाद ही हो गई थी। निर्वाचन आयोग समय-समय पर मतदाता सूचियों की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया संचालित करता रहा है। उन्होंने कहा निर्वाचन आयोग के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 1952 से 1956 के बीच पहली बार विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अपनाई गई। उस समय केंद्र में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी। इसके बाद 1957 और 1961 में भी यह प्रक्रिया हुई, तब भी केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। वर्ष 1965 में लाल बहादुर शास्त्री तथा 1966 में इंदिरा गांधी के कार्यकाल में पुनरीक्षण हुआ। इसके बाद 1983-84 में इंदिरा गांधी और 1987-89 में राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए भी यह प्रक्रिया संचालित की गई। वर्ष 1992, 1993 और 1995 में पी.वी. नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ।

आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

जिले के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, 443 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की मिलेगी सौगात



■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। जो दिनांक 03.01.2027 को रीवा शहर से '02 ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा' के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन *मध्यप्रदेश के रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, बैतूल एवं नागपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 11 रातें/12 दिनों की इस यात्रा में तिरुपति, श्री कालहस्ती, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी एवं मल्लिकार्जुन के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन का 02-02 ट्रिप संचालन

जबलपुर। त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर के मध्य स्पेशल ट्रेन का दोनों दिशाओं में 02-02 ट्रिप संचालन किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के बयाना, गंगापुर सिटी, कोटा एवं भवानीमण्डी स्टेशनों से होकर गुजरेगी। गाड़ी संख्या 05091 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन दिनांक 09 एवं 16 नवंबर 2026 को गोरखपुर से 21:55 बजे प्रस्थान कर पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत गंगापुर सिटी स्टेशन पर 16:05 बजे आगमन एवं 16:10 बजे प्रस्थान, कोटा स्टेशन पर 18:15 बजे आगमन एवं 18:20 बजे प्रस्थान तथा शाम 19:26 बजे भवानीमण्डी स्टेशन पर आगमन एवं 19:28 बजे प्रस्थान करेगी। इसके पश्चात मार्ग से होते हुए दिन में 12:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुचेंगी। गाड़ी संख्या 05092 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 11 एवं 18 नवंबर 2026 को बांद्रा टर्मिनस से 13:45 बजे प्रस्थान कर पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत भवानीमण्डी स्टेशन पर 01:58 बजे आगमन एवं 02:00 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद कोटा स्टेशन पर 03:30 बजे आगमन एवं 03:40 बजे प्रस्थान, गंगापुर सिटी स्टेशन पर 06:06 बजे आगमन एवं 06:11 बजे प्रस्थान तथा इसके पश्चात मार्ग से होते हुए रात में 23:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुचेंगी। कोच संरचना: इस स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच अमृत भारत रैक होंगे, जिनमें 02 एसएलआरडी, 08 स्लीपर कोच, 11 जनरल कोच, 01 पेन्ट्रीकार कोच शामिल हैं। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बस्ती, गोण्डा, बादशाह नगर, ऐशबाग जंक्शन, कानपुर सेन्ट्रल, टुंडला, ईदगाह आगरा जंक्शन, गंगापुर सिटी, कोटा, भवानीमण्डी, रतलाम, वड़ोदरा, सूरत, वापी एवं बोरीवली स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस सप्ताह भी पश्चिम मध्य रेल में पेयजल की गुणवत्ता की हुई नियमित जांच



जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल द्वारा रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियमित रूप से जल की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। इसी क्रम में 24 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2026 तक कोटा, जबलपुर एवं भोपाल मंडलों में अवशिष्ट क्लोरीन एवं जीवाणु विश्लेषण के माध्यम से जल के नमूनों की जांच की गई। इस अवधि में तीनों मंडलों में अवशिष्ट क्लोरीन के कुल 1,583 नमूनों की जांच की गई, जिनमें सभी 1,583 नमूने फिट पाए गए। इसी प्रकार जीवाणु विश्लेषण के अंतर्गत कुल 144 नमूनों की जांच की गई और सभी 144 नमूने भी फिट पाए गए। किसी भी नमूने में अनफिट परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। मंडलवार आंकड़ों के अनुसार कोटा मंडल में अवशिष्ट क्लोरीन के 529 एवं जीवाणु विश्लेषण के 45 नमूनों, जबलपुर मंडल में क्रमश: 550 एवं 63 नमूनों तथा भोपाल मंडल में क्रमश: 504 एवं 36 नमूनों की जांच की गई। तीनों मंडलों में सभी नमूने फिट पाए गए। पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी एवं जांच पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जबलपुर में डिप्लोमा की सीटें भरना मुश्किल अब नवंबर में चौथे राउंड होगी काउंसलिंग

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

वेटरनरी विश्वविद्यालय की यूजी सीटें भर गई हैं, लेकिन डिप्लोमा कॉलेजों की सीटें भरना मुश्किल हो रहा है। निजी डिप्लोमा कॉलेजों को मान्यता मिलने के बाद कॉलेजों और सीटों की संख्या बढ़ी है।शासकीय डिप्लोमा कॉलेज की सीटें आसानी से भर रही हैं, जबकि नए और पुराने निजी कॉलेजों में सीटें खाली हैं। इसी वजह से डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए एक और काउंसलिंग कराई जा रही है। विश्वविद्यालय ने स्ट्रे राउंड काउंसलिंग का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। विश्वविद्यालय के पोर्टल से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे एडीईटी-2026 के पात्र अभ्यर्थी तीन और चार नवंबर को विश्वविद्यालय के पोर्टल से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। पंजीयन चार नवंबर की रात 11:59 बजे तक होगा। पहले से पंजीकृत अभ्यर्थियों को दोबारा पंजीयन कराने की जरूरत नहीं है। सीट आवंटन का परिणाम 11 नवंबर पांच



नवंबर को प्रोफाइल और पंजीयन फॉर्म में संशोधन का अवसर मिलेगा। इसी दिन शेष रिक्त सीटों की जानकारी भी जारी की जाएगी। छह से नौ नवंबर तक पंजीकृत अभ्यर्थी च्वाइस फिलिंग और लॉकिंग कर सकेंगे। 11 नवंबर को सीट आवंटन का परिणाम घोषित होगा। स्ट्रे राउंड में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को नए सिरे से च्वाइस फिलिंग और लॉकिंग करनी होगी। दूसरे राउंड में लॉक किए गए विकल्पों पर इस राउंड में विचार नहीं होगा।

एक ही बिल्डिंग में स्कूल और शराब की दुकान कैसे? हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

एक ही भवन में स्कूल भी संचालित हो और शराब दुकान भी, तो क्या यह नियमों के अनुरूप है। जबलपुर के संजीवनी नगर में इसी सवाल को लेकर दायर जनहित याचिका पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। मंदसौर में राजस्थान सीमा पर सिंथेटिक दूध का काला कारोबार, छह नोटिस जारी कर जवाब तलब किया मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने राज्य सरकार और संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई छह नवंबर को होगी जिला कलेक्टर को 23 मार्च, 2026 को दिए गए आवेदन पर अगली सुनवाई



से पहले निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई छह नवंबर को होगी। अजय पटेल की ओर से दायर जनहित याचिका संजीवनी नगर, जबलपुर निवासी अजय पटेल की ओर से दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर स्थित एक ही भवन के एक हिस्से में शराब दुकान संचालित हो रही है, जबकि दूसरे हिस्से में संस्कार भारती नाम से स्कूल चल रहा है।

जबलपुर मंडल में सतर्कता सेमिनार आयोजित

मुख्य अतिथि नीरज कुमार ने ईमानदारी, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से कार्य करने का संदेश दिया

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में सतर्कता सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता संबंधी प्रावधानों, प्रक्रियाओं एवं विभिन्न सतर्कता प्रकरणों की जानकारी देते हुए दैनिक कार्यप्रणाली में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम मध्य रेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी नीरज कुमार उपस्थित रहे, जिनका स्वागत अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश कुमार कलामे ने किया। इसके अतिरिक्त उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों एवं सहायक सतर्कता अधिकारियों का भी स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री नीरज कुमार ने अपने संबोधन में विभिन्न सतर्कता प्रकरणों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए नियमों के



अनुपालन एवं सतर्कता के प्रति सजगता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों ने पावरपॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभिन्न सतर्कता प्रकरणों एवं उनसे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। साथ ही उपस्थित अधिकारियों, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों के साथ सतर्कता संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। सेमिनार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ करने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमों का पालन एवं जवाबदेही पर आधारित कार्यसंस्कृति संस्थागत कार्यक्षमता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रेल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा यात्रियों एवं आमजन का विश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) श्री राहुल जयपुरियार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (कोचिंग) श्री अनुराग पांडेय सहित मंडल के सभी शाखा अधिकारी, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सीमित चुनावों के बड़े संकेत

विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस बड़े शून्य के धब्बे से बच गई। बुधवार देर रात उसने नागपुर स्नातक सीट जीत कर सभी को चौंका दिया। नागपुर की जीत प्रतीकात्मक है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह-गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में दूसरी वरीयता के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है।

इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव सीमित होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा-कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे अप्रत्याशित भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा-एनडीए की साझा जीत है। उप्र में कुल 11 सीटों में से भाजपा के हिस्से 6 और सपा के हिस्से 5 सीटें आई हैं। भाजपा पिछले चुनाव की तरह ही है, लेकिन सपा ने 2 सीटों की बढ़त बनाई है, लिहाजा संकेत स्पष्ट हैं कि भाजपा के सामने चुनावी चुनौतियां हैं। जनादेश इतना आसान, सहज, सरल नहीं होगा। सबसे चौंकाऊ नतीजा यह रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है।

सभी चारों सीटों पर भाजपा-जद (एस) का कब्जा हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्तारूढ़ है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार चुनावी सियासत के चाणक्य माने जाते रहे हैं। बेंगलुरु में पुट्टन्ना परिषद की शिक्षक वर्ग सीट से 5 बार निर्वाचित हो चुके हैं और परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे हैं, लेकिन इस बार वह सीट जद-एस ने छीन ली है। शेष तीनों सीटों पर भाजपा विजयी रही है। यह 2028 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बदलाव का संकेत है। महाराष्ट्र में भाजपा-महायुति दावा कर रहे थे कि वे पांचों सीटों पर क्लीन स्वीप करेंगे, लेकिन बुजुर्ग चाणक्य शरद पवार और कांग्रेस ने तीन सीट जीत कर तमाम समीकरण बदल दिए और सत्ता के दावे ध्वस्त कर दिए। भाजपा-शिवसेना (शिंदे) के हिस्से 1-1 सीट ही आई।

बिहार में एनडीए ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन वे प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी की एक सीट पर जीत को रोक नहीं पाए। बहरहाल सबसे संवेदनशील राज्य उप्र रहा, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन, श्रीराम, माफिया, बुलडोजर आदि के जरिए आक्रामक प्रचार करने में जुटे हैं। विपक्ष में सपा-कांग्रेस की सीटें अभी तय नहीं हो पाई हैं। तीसरे पक्ष के तौर पर ओवैसी मुसलमानों को लामबंद करके अपनी पार्टी का खाता खोलने में जुटे हैं। उप्र विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं। यह चुनाव भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की ही सरपरस्ती में हुआ है। जो परिणाम सामने हैं और जिस तरह विपक्ष ने जीत हासिल की है, उससे वोट चोरी का जुमला अब छोड़ देना चाहिए। यदि मनमर्जी की मतदाता सूची बनाई जा सकती है, तो कर्नाटक सरकार भी कर सकती थी और कुछ सीटें जीत सकती थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं होता। वोट चोरी का मुद्दा उछालने के बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस सभी चुनाव हारी है, लेकिन अप्रत्याशित जीत भी दर्ज की गई हैं।

कर्मयोगी नितिन नबीन के मीडिया महारत्न आशीष ऊषा अग्रवाल

सत्येंद्र कुमार जैन
स्तंभकार

अभी जिन्दगी के इम्तिहान और भी हैं,
अभी तो जिन्दगी की असली उड़ान बाकी है।
अभी तो नापी है सिर्फ मुट्ठी भर जमीन,
अभी तो सारा आसमान बाकी है।
सितारों के आगे जहाँ और भी है...

भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल पर यह पंक्तियाँ शब्दशः चरितार्थ होती हैं।भारतीय जनता पार्टी के संघनिष्ठ,संगठन निष्ठ,अखंड प्रचंड पुरुषार्थी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष की सहमति से भारतीय जनता पार्टी के ज्ञानवान,पराक्रमी युवा नेता आशीष ऊषा अग्रवाल को राष्ट्रीय संगठन में सर्वप्रथम 17 अगस्त 2026 को मध्य प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी के पद से पदोन्नत कर भाजपा का राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया था इसके एक माह उपरांत ही 23 सितंबर 2026 को पुनः राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक के पद से पदोन्नत कर भाजपा राष्ट्रीय मीडिया विभाग का संयोजक नियुक्त किया गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हीरे की परख करने वाले जौहरी की भाँति आशीष ऊषा अग्रवाल के रूप में हीरक व्यक्तित्व एवं युवा नेतृत्व की पहचान की है।आशीष ऊषा अग्रवाल ने अपनी इस महती पदोन्नति को दो माह में ही कुशल मीडिया प्रबंधन द्वारा सफलतापूर्वक सार्थक कर दिया है।राष्ट्रीय संयोजक के रूप में चंद दिनों में ही अखंड प्रचण्ड कर्मयोग कर सार्थक किया है।कांग्रेस और इंडी गठबंधन के अनेकों प्रयासों को, केंद्रीय मंत्रियों एवं शीर्ष भाजपा नेताओं की प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से ध्वस्त कर दिया है।उनके निर्देशन में संपूर्ण देश में भाजपा की सहस्त्रों प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गईं और विपक्षी दलों के झूठे माया जालों को ध्वस्त किया गया है।वह अपने नाम में अपनी पूज्य स्वर्गीय माँ ऊषा अग्रवाल का नाम जोड़ते हैं,यह प्रेरणादायक है।वह स्वयं को कार्यकर्ता मानकर,पार्टी को माँ के समान मानकर पूजते हैं।अपना सर्वस्व अर्पण करने का प्रयास करते हैं।

मध्य प्रदेश में भी भाजपा के कर्मयोगी, कुशल प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की संगठन निष्ठा,ज्ञान शीलता,अखंड प्रचंड पुरुषार्थ,उत्कृष्ट मीडिया प्रबंधन,नवाचार,तकनीकी दक्षता,शालीनता, मिलनसारिता आदि अनेक गुणों को जौहरी की भांति हीरे की परख करते हुए पुनः प्रदेश मीडिया विभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके पूर्व आशीष ऊषा अग्रवाल को सर्वप्रथम 29 अप्रैल 2023 में मीडिया प्रभारी का महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया था।आशीष अग्रवाल भाजपा मप्र मीडिया विभाग में शुभंकर सिद्ध हुए हैं। विधानसभा 2023 के चुनाव में 163 सीट अर्जित होना, वोट शेयर भी लगभग 49 प्रतिशत अर्जित हुआ था।उपचुनाव में अमरवाड़ा और बुधनी में विजय श्री प्राप्त हुई ।

लोकसभा चुनाव 2024 में प्रदेश की सभी 29 सीट पर महा विजय अर्जित हुई ।वोट शेयर भी लगभग 60 प्रतिशत प्राप्त हुआ।महती उपलब्धि रही। भाजपा की इस



प्रचंड,अद्वितीय सफलता में मीडिया विभाग ने भी समिधा अर्पित की ।मीडिया विभाग के योगदान का श्रेय आशीष अग्रवाल को जाता है।मुझे भी उनका मार्गदर्शन मिला है जिसके परिणामस्वरूप प्रखरता से बात रखने में सफल रहा हूँ।राजनीतिक दल के लिए मीडिया विभाग माउथ पीस होता हैं। मुकुट होता है ।उनके प्रबंधन में प्रतिदिन अनेक प्रेस नोट,फोटो, वीडियो तैयार कर,समय पूर्व मीडिया संस्थानों को प्रकाशन हेतु कुशलता से भेजे गए।प्रदेश भर में सवा तीन वर्षों में लगभग ढाई हजार प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई थीं।

मीडिया से पारिवारिक संबंध

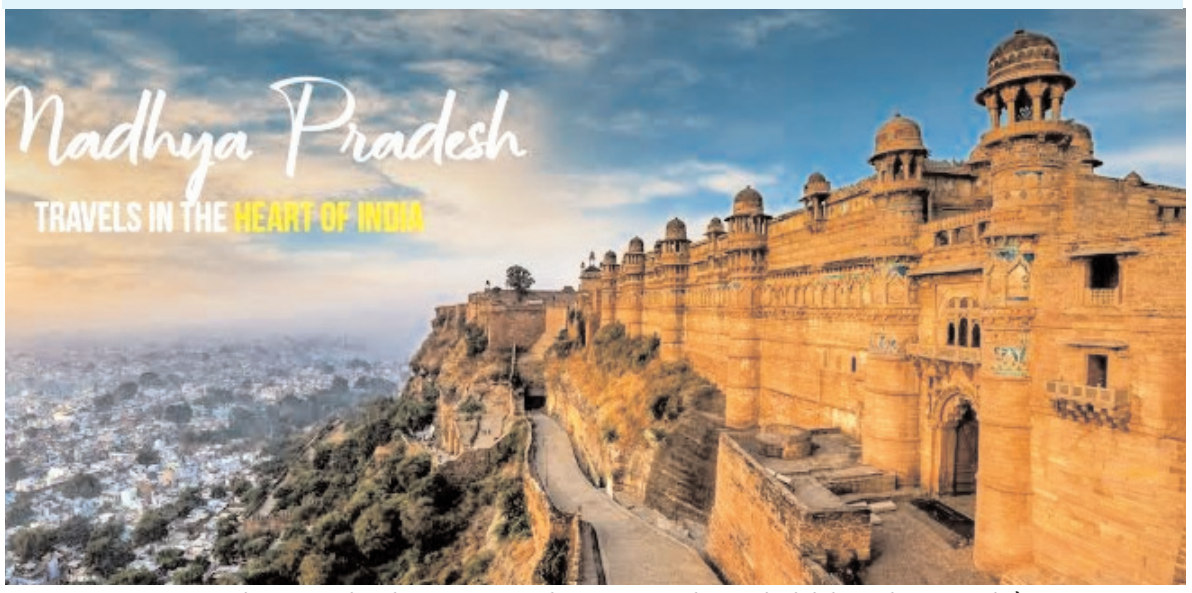
आशीष अग्रवाल मीडिया संस्थानों से सतत सम्पर्क रखते हैं। पत्रकारिता जगत को परिवार मानते हुए वह मीडिया संस्थानों के स्वामियों, संपादकों, संवाददाताओं, कैमरामैन, युटयुबर्स के सुख-दुख में सदैव सम्मिलित होते हैं।यथोचित सहयोग करते हैं।वह दिल्ली में अनेक पत्रकार साथियों के घर जाकर उनके सुख, दुख में सहभागी बनते हैं। भोपाल में एक पत्रकार साथी पर विपदा आई तो वह उनके समर्थन में चट्टान की तरह अटल हो गए और सहयोग किया था। दिल्ली में भी जब इंडी गठबंधन कांग्रेस और राहुल गांधी के आंदोलन में गर्भवती महिला पत्रकार के साथ धक्का-मुक्की हुई तो उन्होंने महिला पत्रकार की सहायता की, कुशल क्षेम जानी।वह बिना किसी भेद भाव के समस्त पत्रकारों, बड़े चैनल,छोटे चैनल,वेब पोर्टल, युटयुबर्स सबके लिए सहज उपलब्ध रहते हैं।

उनकी संगठन कुशलता को देखकर पूर्व में भी मध्यप्रदेश के नेतृत्व ने एक देश एक चुनाव की प्रदेश स्तरीय टोली में भी सम्मिलित किया था। उन्होंने संगठन पर्व, सदस्यता अभियान में देवास जिले के बूथ कमेटियों, मंडलों के अध्यक्ष का चुनाव, जिला अध्यक्ष पद के चुनाव का उत्तरदायित्व, कुशलतापूर्वक संपन्न किया। भाजपा के दूरदर्शी,कुशल रणनीतिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मीडिया के सारथी आशीष अग्रवाल नवाचार करते रहते हैं।वह कर्मयोगी है।संगठन के युवारत्न हैं।महारत्न हैं।यही कामना है कि वह निकट भविष्य में कीर्तिमान रचते जाएँ।

एक प्रदेश, अनेक रंग, मिट्टी की महक —मेरा मध्य प्रदेश, मेरा संसार

सुशील कुमार जैन

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर लेखक के हृदय का स्पंदन



भारत के 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेश अपनी-अपनी विशिष्टताओं, संस्कृति, परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत से समृद्ध हैं। हर प्रदेश की अपनी पहचान है, अपना आकर्षण है और अपनी अलग कहानी है। लेकिन जब अपने मध्य प्रदेश की बात आती है, तो मन गर्व से भर उठता है। लगता है, जैसे भारत के अनेक रंगों ने मिलकर इस प्रदेश को गढ़ा हो। यहाँ प्रकृति का वैभव है, आस्था की गहराई है, इतिहास की भव्यता है, लोकसंस्कृति की आत्मीयता है और मेहनतकश लोगों के सपनों की उड़ान है।

सच कहूँ, तो मध्य प्रदेश में केवल एक प्रदेश नहीं, बल्कि पूरे भारत का एहसास बसता है। अगर कश्मीर की वादियाँ मन मोहती हैं, तो क्या अपने पचमढ़ी की हरियाली, सतपुड़ा के पर्वत, झरने और बादलों से अठखेलियाँ करती चोटियाँ किसी से कम हैं? अगर समुद्र तट प्रकृति का आकर्षण हैं, तो क्या नर्मदा की लहरें, भेड़ाघाट की संगमरमरी चट्टानें और धुआंधार जलप्रपात सौंदर्य की किसी दूसरी परिभाषा से कम हैं? अगर राजस्थान के किले इतिहास सुनाते हैं, तो क्या ग्वालियर, मांडू, ओरछा और चंदेरी की धरोहरें गौरव की गाथा नहीं गातीं?

यही तो मेरा मध्य प्रदेश है—जहाँ हर मौसम का अपना आनंद है, हर अंचल की अपनी खुशबू है और हर जिले की अपनी कहानी है।

55 जिले, 55 विशिष्ट पहचानें: हर जिले में बसा है मेरा मध्य प्रदेश

आगर-मालवा के संतरे की मिठास और बैजनाथ महादेव की आस्था हो या अलीराजपुर का भगोरिया उत्सव और जनजातीय संस्कृति—यहाँ हर रंग मन को छूता है। अनूपपुर में अमरकंटक से निकलती नर्मदा की पवित्र धारा और मैकल की पहाड़ियाँ हैं, तो अशोकनगर की चंदेरी साड़ियों में ऐसी बारीक कला है, जो परंपरा को धागों में जीवित रखती है। क्या यह सांस्कृतिक वैभव किसी बड़े पर्यटन केंद्र से कम है?

बालाघाट का चिनौर चावल और वन संपदा, बड़वानी की नर्मदा घाटी और बावनगजा, बैतूल के सतपुड़ा वन और भिंड के सरसों से लहलहाते खेत—हर जिला अपनी मिट्टी की कहानी कहता है। भोपाल की झीलें, नवाबी तहजीब और सांस्कृतिक संस्थान किसी सुंदर राजधानी से कम आकर्षक हैं क्या? बुरहानपुर का ऐतिहासिक वैभव, छिंदवाड़ा का पातालकोट और संतरे, तथा छतरपुर के खजुराहो मंदिर भारत की कला और प्रकृति का अद्भुत संगम हैं।

दमोह का कुंडलपुर, दतिया की पीतांबरा पीठ और सोनागिरि, देवास की टेकरी और औद्योगिक प्रगति, धार का मांडू और बाग प्रिंट—कहीं आस्था है, कहीं स्थापत्य, तो कहीं पीढ़ियों से सँजोया गया हुनर। डिंडोरी की बैगा संस्कृति और कोदो-कुटकी, गुना की धनिया खुशबू, ग्वालियर का ऐतिहासिक किला और तानसेन की संगीत परंपरा, तथा हरदा के उपजाऊ खेत प्रदेश की विविधता को और समृद्ध करते हैं।

इंदौर का स्वाद, स्वच्छता और उद्यमशीलता किसे आकर्षित नहीं करती? जबलपुर का भेड़ाघाट ऐसा लगता है, मानो संगमरमर में प्रकृति ने अपनी कविता लिख दी हो। क्या इसकी चाँदनी में चमकती चट्टानें किसी विदेशी प्राकृतिक दृश्य से कम हैं? झाबुआ के भगोरिया के रंग और लोकनृत्य, कटनी की खनिज संपदा, खंडवा का ओंकारेश्वर और किशोर कुमार की स्मृतियाँ, खरगोन की मिर्च और निमाड़ी संस्कृति—इन सबमें अपनी-अपनी दुनिया बसी है।

मैहर में मां शारदा की भक्ति और संगीत की साधना है, मऊगंज में विंध्य की धरती और ग्रामीण संस्कृति, मंडला में कान्हा के वन और गोंड परंपराएँ, मंदसौर में पशुपतिनाथ की महिमा और लहसुन की खेती। मुरैना की गजक और प्राचीन मंदिर, नर्मदापुरम की पचमढ़ी और सतपुड़ा का सौंदर्य—क्या प्रकृति ने यहाँ अपने रंगों की कोई कमी छोड़ी है?

नरसिंहपुर के उपजाऊ खेत, नीमच का मसाला व्यापार, निवाड़ी का ओरछा और बेतवा का शांत किनारा, पांढुर्णा के संतरे—ये सब ग्रामीण समृद्धि और सांस्कृतिक संपर्कों की कहानी कहते हैं। पन्ना में हीरों की चमक, बाघों का संसार और जलप्रपात हैं। क्या यहाँ की प्राकृतिक संपदा और वन्यजीव किसी बड़े वन पर्यटन स्थल से कम गौरवपूर्ण हैं? रायसेन के सांची स्तूप और भीमबेटका की शैलचित्र परंपरा हमें सभ्यता की प्राचीन जड़ों तक ले जाती है, जबकि राजगढ़ की कृषि संस्कृति और रतलाम की प्रसिद्ध सेव अपने स्वाद से लोगों के मन में जगह बनाते हैं।

रीवा के जलप्रपात और सफेद बाघ की विरासत, सागर की लाखा बंजारा झील और शिक्षा परंपरा, सतना का सीमेंट उद्योग तथा चित्रकूट की आस्था, सीहोर का सलकनपुर मंदिर और कृषि समृद्धि—ये जिले विकास, परंपरा और प्रकृति के अलग-अलग रूप दिखाते हैं। सिवनी के पेंच वन, शहडोल की खनिज संपदा और जनजातीय संस्कृति, शाजापुर के कृषि क्षेत्र और श्योपुर के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की वापसी—ये सब मध्य प्रदेश की पहचान को देश के मानचित्र पर विशिष्ट बनाते हैं।

शिवपुरी की ऐतिहासिक छतरियाँ और माधव राष्ट्रीय उद्यान, सीधी का संजय-डुबरी टाइगर रिजर्व, सिंगरौली की ऊर्जा शक्ति और टीकमगढ़ की बुंदेली संस्कृति तथा प्राचीन जल संरचनाएँ अपने-अपने क्षेत्र में विशेष महत्व रखती हैं। उज्जैन में महाकाल की नगरी और क्षिप्रा की आध्यात्मिक धारा है, उमरिया में बांधवगढ़ के बाघ और महुआ की महक, तो विदिशा में उदयगिरि गुफाएँ और हेलियोडोरस स्तंभ जैसी ऐतिहासिक धरोहरें हैं।

जरा सोचिए, जिस प्रदेश में एक ओर महाकाल की आरती गूँजती हो, दूसरी ओर जंगलों में बाघ की दहाड़ सुनाई देती हो; जहाँ कहीं हीरे धरती की गहराइयों में चमकते हों, तो कहीं कारीगरों के हाथों से चंदेरी का महीन वस्त्र आकार लेता हो—उस प्रदेश की विविधता को किसी एक उपमा में कैसे बाँधा जा सकता है?

पर्यटन, आस्था और प्रकृति क्या यह किसी से कम है ?

सांची के स्तूप, खजुराहो की मूर्तिकला, भीमबेटका के शैलचित्र, ग्वालियर का किला, मांडू की प्रेमगाथाएँ और ओरछा का स्थापत्य—ये केवल घूमने के स्थान नहीं, बल्कि भारत के इतिहास के जीवंत पन्ने हैं। महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, अमरकंटक, मैहर की मां शारदा और दतिया की पीतांबरा पीठ करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े हैं।

कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, पेंच, सतपुड़ा और कूनो जैसे प्राकृतिक क्षेत्र वन्यजीवों और जैव विविधता के अनमोल संसार हैं। पचमढ़ी की पहाड़ियों में सुकून है, नर्मदा के तटों पर शांति है और भेड़ाघाट की चट्टानों में प्रकृति की अद्भुत कलाकारी। जब अपने ही प्रदेश में इतना कुछ है, तो अपनी धरोहर को जानने, सँजोने और दुनिया तक पहुँचाने का गर्व भी हमें होना चाहिए।

एक जिला, एक उत्पाद स्थानीय पहचान से आत्मनिर्भरता तक

मध्य प्रदेश की असली ताकत उसके स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक हुनर में भी बसती है। कहीं संतरे हैं, कहीं चंदेरी की साड़ी, कहीं रतलामी सेव, कहीं बाग प्रिंट, कहीं कोदो-कुटकी और कहीं आंवला। ये केवल वस्तुएँ नहीं, बल्कि मिट्टी, मेहनत, परंपरा और पीढ़ियों के अनुभव की पहचान हैं। जब किसान को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलता है, कारीगर की कला को बाजार मिलता है, महिला स्व-सहायता समूह अपने उत्पादों से आत्मनिर्भर बनते हैं और युवा अपने ही जिले में रोजगार के अवसर खोजते हैं, तब स्थानीय पहचान विकास की शक्ति बन जाती है। हर जिले का हुनर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है।

मेरा मध्य प्रदेश मेरा गर्व भी, जिम्मेदारी भी

मेरा मध्य प्रदेश केवल प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक स्थलों का नाम नहीं है। यह किसानों के परिश्रम, कारीगरों के हुनर, जनजातीय समुदायों की जीवंत संस्कृति, महिलाओं की उद्यमशीलता और युवाओं के सपनों का प्रदेश है। इसकी सुंदरता तभी स्थायी रहेगी, जब हम जंगलों, नदियों, जलस्रोतों और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करेंगे।

कश्मीर की वादियाँ अपनी जगह सुंदर हैं, राजस्थान के किले अपनी जगह गौरवशाली हैं, समुद्र तट अपनी जगह आकर्षक हैं—लेकिन मेरा मध्य प्रदेश भी किसी से कम नहीं। इसकी अपनी नर्मदा है, अपना पचमढ़ी है, अपने संगमरमरी घाट हैं, अपने ऐतिहासिक किले हैं, अपने विश्वविख्यात मंदिर हैं और अपनी अनूठी लोकसंस्कृति है। यहाँ हर जिले में एक नई दुनिया बसती है, हर परंपरा में इतिहास बोलता है, हर खेत में मेहनत की कहानी है और हर स्थानीय उत्पाद में आत्मनिर्भरता की संभावना।

आइए, अपने मध्य प्रदेश को केवल गर्व से देखें ही नहीं, बल्कि इसकी प्रकृति की रक्षा करें, इसकी विरासत सँजोएँ, स्थानीय प्रतिभा को सम्मान दें और हर जिले की पहचान को विकास का आधार बनाएँ।

मेरा मध्य प्रदेश—एक प्रदेश, अनेक रंग, पूरे भारत का एहसास।

न्यूज ब्रीफ

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए दिल्ली रैली में जाएंगे हजारों कार्यकता

ग्वालियर। 1 नवंबर को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में कांग्रेस एवं 'इंडिया' गठबंधन द्वारा आयोजित होने वाली विशाल महारैली और प्रदर्शन को लेकर ग्वालियर में तैयारियां जारी हैं। यह महारैली मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) और कथित वोट काटने ओर अनियमितताओं के विरोध में आयोजित की जा रही है। महारैली की तैयारियों और ग्वालियर से कार्यकर्ताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में जी.वाई.एम.सी. गार्डन में एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप में शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, वरिष्ठ नेता उत्तम सिंह कुशवाह, एम.आई.सी सदस्य अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, राजेश तोमर, अनूप शिवहरे, संदीप यादव, पूर्व पार्षद रामअवतार जाटव, पार्षद केदार बरहादिया, सुरेन्द्र साहू, प्रमोद खरे, अंकित कठठ्ल मंचासीन रहे। बैठक का संचालन डॉ. राकेश अग्रवाल ने किया।

वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस करेगी नमन

ग्वालियर। आज दिनांक 31 अक्टूबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गांधी जी की 42वीं पुण्यतिथि एवं भारत के प्रथम गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व में प्रातः 9.30 बजे छत्री बाजार स्थित लेडीज़ पार्क में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी एवं लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा। इसके साथ ही जिला सेवादल के अध्यक्ष हरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रीमती इंदिरा गांधी जी की 42वीं पुण्यतिथि एवं भारत के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती के अवसर पर छत्री बजार स्थित लेडिस पार्क पर जिला सेवादल द्वारा प्रातः 9.00 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में विधायक, पूर्व विधायक, वरिष्ठ कांग्रेसजन, पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस, जिला कांग्रेस, ब्लॉक, मंडलम कांग्रेस, सेक्टर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, यूवा कांग्रेस, एनएसयूआई, कांग्रेस विभाग प्रकोष्ठ, पार्षद, पूर्व पार्षद सहित समस्त कांग्रेसजन सम्मलित रहेंगे।

दीपावली के लिए हानिकारक पटाखों की बिक्री पर रोक लगाए जिला प्रशासन

ग्वालियर। दीपावली का पावन त्योहार नजदीक है और बाजारों में पटाखों की बिक्री भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने जिला प्रशासन से अपील की है कि आमजन की सुरक्षा और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए अत्यधिक वायु एवं ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले तथा खतरनाक पटाखों की बिक्री और उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए। साथ ही पटाखों की बिक्री, भंडारण और उन्हें चलाने के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि दीपावली खुशियों और उत्साह का त्योहार है, लेकिन त्योहार की खुशी किसी की सेहत और सुरक्षा के लिए खतरा नहीं बननी चाहिए। पटाखों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों से ध्वनि प्रदूषण होता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव छोटे बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों पर पड़ता है। कई बार पटाखों से निकलने वाली चिंगारी और विस्फोट के कारण बच्चों के हाथ, आंखों और शरीर को गंभीर चोट पहुंचने की घटनाएं भी सामने आती हैं। जिला कलेक्टर ने नागरिकों और व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दीपावली खुशियों का त्योहार है, जिसे सभी को जिम्मेदारी के साथ मनाना चाहिए। हानिकारक पटाखों से निकलने वाले रसायन बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए बेहद खतरनाक साबित होते हैं। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे इको-फ्रेंडली दीपावली मनाएं और निर्धारित नियमों का पालन करें।

ग्वालियर-चंबल को शीघ्र मिलेगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की सौगात

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मुख्यमंत्री सुगम परिवहन योजना के अंतर्गत ग्वालियर-चंबल अंचल में नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए ग्वालियर-चंबल यात्री परिवहन सेवा लिमिटेड के संचालक मंडल की पहली बैठक में एक लाख इक्विटी शेयरों के माध्यम से 10 लाख रूपये की अंशपूंजी के शेयर प्रमाणपत्र जारी करने और कंपनी के कार्यकारी निदेशक के रूप में अभिषेक चौधरी, आयुक्त नगर निगम ग्वालियर को नियुक्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मंत्रालय में शुक्रवार को कंपनी के अध्यक्ष एवं सचिव, परिवहन विभाग, श्री मनीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में संचालक मण्डल के सभी सदस्यों ने सहभागिता की। बैठक में कलेक्टर ग्वालियर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, ग्वालियर विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुक्रम में इस कंपनी के गठन और प्रशासनिक संरचना, वित्तीय प्रबंधन एवं संचालन संबंधी महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की थी।

कंपनी के निर्णयों से सुगम परिवहन के संकल्प को मिलेगी गति बैठक में लिए गए निर्णयों से कंपनी का संस्थागत, प्रशासनिक एवं वित्तीय ढांचा सुदृढ़ होगा तथा ग्वालियर-चंबल अंचल में नागरिकों को सुगम, सुरक्षित, व्यवस्थित एवं विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आगामी कार्यवाही को गति मिलेगी। अब कंपनी के कार्यकारी निदेशक को आवश्यक अनुबंधों, समझौतों एवं अन्य दस्तावेजों के निष्पादन तथा बैंकिंग एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए अधिकृत किया गया।

बेहतर प्रशासनिक समन्वय के लिए निदेशक नामित

बैठक में संचालक मण्डल ने कार्यकारी निदेशक के अलावा ग्वालियर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर एवं अशोकनगर जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों सहित नौ नामित निदेशकों की नियुक्ति को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से कंपनी के संचालन में विभिन्न जिलों एवं संबंधित विभागों की सहभागिता सुनिश्चित होगी तथा क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर प्रशासनिक समन्वय भी बन सकेगा।कंपनी के वित्तीय प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता खोलने एवं एक लाख इक्विटी शेयरों के माध्यम से 10 लाख रूपये की अंशपूंजी के शेयर प्रमाणपत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। मेमोरेंडम एवं आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन को अंगीकृत करते हुए वित्तीय वर्ष एवं पंजीकृत कार्यालय सहित आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं को अनुमोदित किया गया। बैठक में कंपनी के वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता एवं वैधानिक अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के माध्यम से प्रथम लेखापरीक्षक की नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ करने, जीएसटी एवं अन्य आवश्यक पंजीयन प्राप्त करने का निर्णय लिया गया।

राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

खेलों से होता है अनुशासन, आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता का विकास: मंत्री कुशवाह

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनसे अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। बेटियाँ खेलों के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ा रही हैं। यह बात सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने कही। वे बीते रोज कम्पू स्थित शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न जिलों से आईं प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों एवं टीम कप्तानों को सम्मानित किया तथा विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि बेटियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना हम सभी का दायित्व है। खेलों के माध्यम से बेटियाँ अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खेल में जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण सहभागिता, निरंतर अभ्यास, समर्पण और खेल भावना होती है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे इसी आत्मविश्वास, लगन और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें तथा खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि खिलाड़ी अपनी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन से भविष्य में प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगी।

समारोह में संगठन सचिव एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, अपर संगठन सचिव एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. त्रिलोक सिंह चाहर, जीवाजी विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी केशव सिंह गुर्जर, डॉ. अनिल शर्मा, मनोज भार्गव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

तीन दिन से गुमषुदा मूक बधिर युवक को थाना बिजौली पुलिस ने खरिका हाइवे से दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



प्रभारी पुलिस अधीक्षक ग्वालियर जयराज कुबेर(रापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में ऑपरेषन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ0 षिवेष सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। घटना का संक्षिप्त विवरणः- फरियादी अजय परिहार निवासी ग्राम डोंगरपुर ताल ने थाना बिजौली में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 26.10.2026 को मेरा बडा भाई नंदकिशोर परिहार रोजाना की तरह घर से मोर पंख बीनने के लिये चला गया था जो दोपहर तक घर वापस नहीं आया तो हमने उसे ढूंढा कुछ पता नहीं चला। मेरा भाई बोल व सुन नहीं पाता वह गूंगा बहरा है। मुझे संदेह है कि मेरे भाई नंदकिशोर उम्र 24 साल को कोई अज्ञात व्यक्ति पकड़कर अपने साथ ले गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषानुसार एसडीओपी बेहट श्री मनीष यादव के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बिजौली उनि0 सौरभ श्रीवास्तव के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में अपहृत मूक बधिर लड़के की पतारसी कर दस्तयाबी हेतु लगाया गया। दौराने तलाषी पुलिस टीम द्वारा अपहृत नंदकिशोर परिहार की तलाश आसपास के स्थान डोंगरपुर ताल, चककेशवपुर फार्म, लक्ष्मणगण आदि जगहों पर की गई। इसी दौरान दिनांक 29.10.2026 को पुलिस टीम को खरिका हाइवे पर अपहृत नंद?किशोर पेड के पास खड़ा मिला, जिसे पुलिस द्वारा सकुषल दस्तयाब किया गया। उक्त अपहृत मूक बधिर होने से पुलिस द्वारा उसे मूक बधिर स्कूल सिरोल ले जाकर उसके कथन लेख कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने वालों से वसूला जुर्माना



ग्वालियर। पर्यावरण संरक्षण को लेकर नगर निगम ग्वालियर पूरी तरह गंभीर है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों के बाद, स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ निरंतर और प्रभावी जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्ण रेखा नदी को प्रदूषण मुक्त रखने और इसकी स्वच्छता बनाए रखने के लिए निगम द्वारा विशेष मॉनिटरिंग कर नदी के आसपास लगातार निगरानी रखी जा रही है। अभियान के तहत अब तक शहर के विभिन्न वार्डों में लापरवाही बरतते हुए नदी में कचरा डालने वाले कुल 53 लोगों से कुल 25,150 रुपये का जुर्माना वसूला गया है। स्वच्छता बनाए रखने की अपील निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने नागरिकों से अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में नगर निगम का सहयोग करें। अपने घरों और मोहल्लों का कचरा केवल निर्धारित कचरा गाड़ियों में ही डालें, न कि जल स्रोतों या खुले स्थानों पर।

अपर आयुक्त ने की संपत्ति कर वसूली की समीक्षा

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा के संपत्ति कर वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित कर चालू वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप शत-प्रतिशत संपत्ति कर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री राव ने ग्वालियर पूर्व विधानसभा अंतर्गत राजस्व निरीक्षकों से अपने अपने क्षेत्र के संपत्ति कर वसूली की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रभावी कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि संपत्ति कर वसूली की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और बकायेदारों से संपर्क कर राजस्व वसूली में तेजी लाई जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय-सीमा में प्राप्त किया जा सके। बैठक में उपायुक्त रजनीश गुप्ता, राजस्व निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, दीपक सोनी, उपेन्द्र यादव सहित अन्य राजस्व निरीक्षक उपस्थित रहे।

1100 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया

ग्वालियर में अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 10 प्रकरण दर्ज

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने डबरा, भितरवार एवं मोहना क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान कुल 9,700 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया। नष्ट किए गए गुड़ लहान की अनुमानित कीमत लगभग 9 लाख रुपए है। कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 10 प्रकरण दर्ज किए गए। रुचिका चौहान के आदेशानुसार, आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से प्राप्त सूचना एवं नियमित गश्त के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी गई। डबरा क्षेत्र में एसडीएम श्रीमती नवकिरण कौर (आईएएस) के नेतृत्व में प्रशासन एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम गुंजार में जमीन में बने गड्ढों से लगभग 2,500 किलोग्राम तथा ग्राम चिरूली में 1,100 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया। दोनों स्थानों पर सैंपल लेकर शेष गुड़ लहान मौके पर ही नष्ट किया गया।इसी प्रकार भितरवार क्षेत्र के ग्राम दुवा दुबई स्थित कंजर डेरे से टंकियों एवं ड्रमों में रखा लगभग 4,500 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद कर सैंपल लेने के बाद नष्ट किया गया। मोहना क्षेत्र के बरसाना मोहल्ले से भी लगभग 1,600 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया। सभी स्थानों पर की गई कार्रवाई के संबंध में आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) के तहत कार्रवाई की गई। अभियान में आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी के निर्देशन में सहायक जिला आबकारी अधिकारियों, वृत्त उपनिरीक्षकों एवं कार्यपालिक स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण एवं कारोबार के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी।



ग्वालियर एआई सम्मेलन 2.0 का सफल समापन

विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों, डिजिटल उद्यमिता एवं भविष्य की तकनीकों पर किया मंथन

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर में आयोजित दो दिवसीय ग्वालियर एआई सम्मेलन 2.0 का शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 29 एवं 30 अक्टूबर को आयोजित इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवीनतम विकास, उसके विभिन्न अनुप्रयोगों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों पर अपने विचार साझा किए। एप्पल, अमेरिका के श्री श्रनिथ लिंगा ने ऑनलाइन माध्यम से 'फ्रॉम कैंपस टू प्रोडक्शनः लेसन्स फ्रॉम बिल्डिंग एआई सिस्टम्स इन इंडस्ट्री' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मॉडल लागू करने के लिए केवल बेहतर मॉडल बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आँकड़ों की गुणवत्ता, प्रणाली संरचना, विश्वसनीयता, निगरानी, सुरक्षा और लागत जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मॉडल पूरी प्रणाली का केवल एक हिस्सा होता है तथा वास्तविक समस्याओं को समझना और गुणवत्तापूर्ण आँकड़े तैयार करना औद्योगिक कृत्रिम



बुद्धिमत्ता प्रणालियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सेवानिवृत्त वन महानिदेशक डॉ. दिलीप कुमार ने 'एआई इन फॉरेस्ट एंड वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट इन इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने भारत में वन एवं वन्यजीव प्रबंधन के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता, तकनीकी नवाचारों तथा पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण में इसकी संभावनाओं पर प्रकाश डाला। भारत-टैप के निदेशक प्रखर शिवहरे ने 'एआई इन ऑनलाइन बिजनेसः फ्रॉम ऑटोमेशन टू रियल ग्रोथ' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। फिलिप्स इंडिया में बुद्धिमान प्रणालियों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वास्तुशिल्प प्रमुख वैभव शर्मा ने उद्योगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग, बुद्धिमान प्रणालियों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकी समाधानों पर अपने विचार साझा किए। टॉपर्स ग्रेड, ग्वालियर की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिक्षण-विधि विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर की पूर्व संकाय सदस्य डॉ. मनीषा शर्मा ने 'इंडियन विजडम / एआई / होलिस्टिक ग्रोथ' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों की व्यक्तिगत सीखने की आवश्यकताओं एवं कमियों की पहचान, उनके अनुरूप शिक्षण सामग्री और अभ्यास उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों की सक्रिय भूमिका को बनाए रखने पर जोर दिया। आइआइटीएम निदेशक प्रो. प्रशांत गौतम तथा अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान के डॉ. राहुल कला ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. राहुल कला ने 'रोबोट मोशन प्लानिंग, पुनर्बलन अधिगम और अनुकरण अधिगम की भूमिका पर चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

जेफरीज का सुझाव

एलटीसीजी टैक्स घटाकर विदेशी निवेशकों को लुभा सकती है सरकार



सरकार के लिए कटौती आसान नहीं

एलटीसीजी टैक्स में कटौती से शेयर बाजार को फायदा हो सकता है, लेकिन सरकार के लिए कमाई भी महत्वपूर्ण है। जेफरीज के मुताबिक, 2024-25 में शेयरों पर एलटीसीजी टैक्स से सरकार को 1.3 लाख करोड़ मिले थे, जबकि 2026-27 में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से सालाना 85,000 करोड़ की कमाई का अनुमान है।

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स में कटौती की संभावना ने नई उम्मीद जगाई है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज का कहना है कि सरकार के पास शेयर बाजार से जुड़े टैक्स में राहत देने के तीन विकल्प हैं। पहला...सभी निवेशकों के लिए एलटीसीजी टैक्स में कटौती। दूसरा...विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कैपिटल गेन्स टैक्स दरों में विशेष कटौती और तीसरा...एफपीआई के कैपिटल गेन की गणना डॉलर के आधार पर करना। ब्रोकरेज फर्म ने कहा, एलटीसीजी टैक्स घटने से विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार में भरोसा और निवेश बढ़ सकता है।इसका लाभ उन क्षेत्रों को मिलेगा, जहां विदेशी निवेशकों ने दो साल में करीब 59 अरब डॉलर की बिकवाली की है।साथ ही, रुपये को भी मजबूती मिलेगी।

गरीबी घटी पर चुनौतियां कायम

विश्व बैंक की रिपोर्ट बड़ा में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक की ओर से जारी पोवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ (अक्तूबर 2026) के आंकड़े भारत की ऐतिहासिक आर्थिक उपलब्धि के बारे में बताते हैं। वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत ने 49.6 करोड़ (496 मिलियन) लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जिससे निम्न-मध्यम आय रेखा (4.20 डॉलर प्रतिदिन) के नीचे रहने वाली आबादी 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत पर आ गई है। वहीं अति-गरीबी (3 डॉलर प्रतिदिन) भी 27.1 प्रतिशत से सिमटकर महज 2.6 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, इस अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद रिपोर्ट के आंकड़े चेतावनी भी देते हैं। श्रम बाजार में उत्पादकता की कमी, बढ़ती युवा बेरोजगारी, व्यापक आय असमानता और भौगोलिक रूप से केंद्रित गरीबी ऐसे प्रमुख मेट्रिक्स हैं, जिनमें संतोषजनक सुधारों की तत्काल दरकार है।

श्रम बाजार के प्रमुख कमजोर मेट्रिक्स

बढ़ती युवा बेरोजगारी: वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में युवा बेरोजगारी दर 14.6 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बढ़कर 15.9 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह स्थिति ग्रामीण युवा महिलाओं में अधिक गंभीर है।

गरीबी घटने के बावजूद रोजगार और कमाई के मोर्चे पर क्या चुनौतियां – विश्व बैंक के अनुसार, 2017 से 2023 के बीच भारत में रोजगार में 13.4 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी प्रमुख रही। लेकिन इस बढ़त के साथ रोजगार की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल बने हुए हैं। वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में शीर्ष 10 प्रतिशत श्रमिकों की औसत कमाई सबसे निचले 10 प्रतिशत श्रमिकों की तुलना में लगभग 13 गुना अधिक दर्ज की गई।

भौगोलिक और ग्रामीण स्तर पर किन सुधारों की दरकार – रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत में गरीबी का स्वरूप अब भौगोलिक रूप से केंद्रित होता जा रहा है।

आईडीबीआई बैंक

न कीमत बदली, न प्रक्रिया; फिर उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश को लेकर उठ रहे सवालों के बीच निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) ने पूरी प्रक्रिया पर सफाई दी है। विभाग का कहना है कि बैंक की बिक्री के लिए दूसरे दौर की बोली तय प्रक्रिया के तहत कराई गई और आरक्षित मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया गया। कनाडा की फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 53,000 करोड़ रुपये में बेचने की योजना को 14 अक्तूबर को मंजूरी दी गई थी। ऐसे में सवाल है कि बैंक की कीमत कैसे तय हुई और बोली प्रक्रिया में किन नियमों का पालन किया गया।

दूसरे दौर की बोली की जरूरत क्यों पड़ी – डीआईपीएएम के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में पहले दौर की बोली कराई गई थी, लेकिन उस समय प्राप्त बोलियों को मंजूरी नहीं मिली। इसके बाद पहले दौर की प्रक्रिया का आगे कोई प्रभाव नहीं रहा। दूसरे दौर को बेहतर प्रस्ताव मांगने की प्रक्रिया भी कहा गया है। विभाग ने बताया कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई आंतरिक प्रक्रिया पहले से निर्धारित नहीं थी। इसलिए सीजीडी ने अगस्त 2017 में सीसीईए से मिले अधिकारों के तहत दूसरे दौर की प्रक्रिया तय की।

बैंक की कीमत तय करने में किन बातों का ध्यान रखा गया – डीआईपीएएम ने स्पष्ट किया कि बोली लगाने वाली कंपनियों के लिए कोई पहले से तय मूल्य मानक नहीं था। कंपनियां अपने आकलन के आधार पर गोपनीय वित्तीय प्रस्ताव देती हैं।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर विवाद क्यों उठा

डीआईपीएएम ने यह सफाई बैंक के मूल्यांकन और कनाडा की संभावित खरीदार कंपनी फेयरफैक्स की बोली को लेकर उठे सवालों के बाद दी है। बैंक यूनियन समेत कई पक्षों ने मूल्यांकन और बोली की कीमत पर सवाल उठाए थे। विभाग ने कहा कि दूसरे दौर की बोली के लिए अपनाई गई प्रक्रिया को सचिवों के मुख्य समूह (सीजीडी) ने तय किया था। इस समूह को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने प्रक्रियागत मुद्दों और नियमों से जुड़े बदलावों पर निर्णय लेने का अधिकार दिया था।

फेस्टिव सीजन में भी मोबाइल-टीवी की सेल में बड़ी गिरावट



मुंबई, एजेंसी। सेल बढ़ने की उम्मीद में फेस्टिव सीजन का इंतजार एक छोटे दुकानदार से लेकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को भी होता है। लेकिन, इस फेस्टिव सीजन में मोबाइल फोन और टीवी की सेल ने कंपनियों को निराश किया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्टफोन और टीवी बनाने वाली कंपनियां फेस्टिव सीजन में सेल से जुड़े झटके के बाद प्रोडक्शन घटाने पर विचार कर रही हैं।

बड़ी ब्रांड कंपनियों और कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स के मुताबिक, अगले दो-तीन महीनों में प्रोडक्शन प्लान से करीब 20 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इस फेस्टिव सीजन में अब तक सेल्स वॉल्यूम पिछले साल के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत गिर चुका है। मेमोरी चिप की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। इससे स्मार्टफोन के दाम औसतन 35-40 प्रतिशत और टीवी के दाम 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर एंट्री से मिड-रेंज सेगमेंट पर पड़ा है, जो मार्केट का सबसे बड़ा हिस्सा है। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि पिछले 10 महीनों में मेमोरी की कीमतें दो से तीन गुना तक बढ़ी हैं। वजह यह है कि एआई सेक्टर की मांग बढ़ने से सप्लाई कम पड़ रही है। मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप जैन ने कहा कि

महंगे मोबाइल खरीदने से बच रहे ग्राहक

मोबाइल फोन की कीमतों में बढ़ोतरी ने ग्राहकों की खरीदारी पर असर डाला है। खासकर कम कीमत वाले स्मार्टफोन खरीदने वाले ग्राहकों पर इसका ज्यादा दबाव पड़ रहा है। कई ग्राहक नया फोन खरीदने के बजाय पुराने फोन का इस्तेमाल जारी रख रहे हैं या कम कीमत वाले मॉडल चुन रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से सितंबर के बीच स्मार्टफोन और टीवी की सेल्स पिछले साल के मुकाबले 10 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुकी थी। फेस्टिव सीजन, ओणम से दिवाली तक इन दोनों कैटेगरी की सालाना बिक्री का करीब 30 प्रतिशत होता है।

घमासान के बीच नोएल टाटा और एन. चंद्रशेखरन की हुई सीक्रेट मीटिंग

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे बड़े कारोबारी समूहों में शामिल टाटा ग्रुप में नेतृत्व को लेकर चल रहे घमासान के बीच टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के बीच 25 अक्टूबर को मुंबई में एक सीक्रेट मीटिंग हुई थी। इस बैठक का मकसद दोनों पक्षों के बीच मतभेद दूर करना था, लेकिन कई दौर की चर्चा के बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। बैठक में चंद्रशेखरन ने दोनों पक्षों के बीच संवाद की कमी पर चिंता जताई और मतभेदों को आपसी बातचीत से सुलझाने की जरूरत बताई। द इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बैठक की व्यवस्था टाटा ग्रुप के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी एनए सूनावाला ने की थी। बैठक में टाटा संस की लिस्टिंग, शापूरजी पालोनजी (एसपी) ग्रुप की हिस्सेदारी खरीदने और चंद्रशेखरन के कार्यकाल जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

25,000 करोड़ में हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव – बैठक में नोएल टाटा ने एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि टाटा संस को प्राइवेट कंपनी के रूप में ही रहना चाहिए। साथ ही, शापूरजी पालोनजी ग्रुप की टाटा संस में मौजूद 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के



एक हिस्से को बेचकर करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। चंद्रशेखरन ने इस प्रस्ताव पर विचार करने की बात कही। हालांकि, उन्होंने यह भी संकेत दिया कि टाटा संस की लिस्टिंग से हिस्सेदारी खरीदने की प्रक्रिया और जटिल हो सकती है। शापूरजी पालोनजी ग्रुप लंबे समय से अपनी हिस्सेदारी के मूल्य को सामने लाने और निवेश को भुनाने के लिए लिस्टिंग का समर्थन करता रहा है। दूसरी ओर, टाटा ट्रस्ट्स इसके विरोध में है और दूसरे विकल्प तलाशने की वकालत करता रहा है।

चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति पर विवाद – टाटा ग्रुप में विवाद की एक बड़ी वजह एन चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति भी है। 17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को फरवरी 2027 से अगले पांच साल के लिए चेयरमैन नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस फैसले के खिलाफ नोएल टाटा ने अकेले असहमति जताई थी। नोएल टाटा का कहना है कि ग्रुप की नीति के अनुसार 65 साल की उम्र में चेयरमैन को रिटायर हो जाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में उन्होंने इस मुद्दे को फिर उठाया और संकेत दिया कि विवाद नहीं सुलझने पर वह कानूनी रास्ता अपना सकते हैं। इसके जवाब में चंद्रशेखरन ने कथित तौर पर कहा कि वह समूह की नीति का पालन करेंगे, लेकिन टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया और टाटा डिजिटल जैसी कंपनियों में चल रही प्रमुख परियोजनाओं को पूरा करना भी जरूरी है। बता दें चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को समाप्त हो रहा है।

बोर्ड बैठक के रिकॉर्ड भी मांगे

25 अक्टूबर को हुई बैठक के अगले ही दिन, 26 अक्टूबर को नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड की 17 सितंबर की बैठक में लिए गए फैसलों पर सवाल उठाए। उन्होंने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को मंजूरी देने की प्रक्रिया, मतदान के नियमों और संभावित हितों के टकराव को लेकर चिंता जताई। इसके साथ ही उन्होंने बोर्ड बैठक की रिकॉर्डिंग, मिनट्स और मतदान से जुड़े रिकॉर्ड भी मांगे।

क्या कोर्ट तक पहुंचेगा मामला

लीगल एक्सपर्ट्स का मानना है कि बातचीत और आपसी सहमति से विवाद सुलझाना सबसे बेहतर रास्ता हो सकता है। हालांकि, यदि किसी कानून का उल्लंघन सामने आता है, तो अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है।

गौतम अडानी ने बनाया कमाई का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी रही। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के ज्यादातर शेयर तेजी के साथ बंद हुए। इससे ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ 5.25 अरब डॉलर यानी करीब 50 हजार करोड़ रुपये बढ़कर 110 अरब डॉलर पहुंच गई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी गुरुवार को सबसे ज्यादा कमाई करने वाले अरबपति रहे। अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में गुरुवार को तेजी रही।



अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन और ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 5 फीसदी से ज्यादा उछला। अडानी पावर में तीन फीसदी से ज्यादा तेजी रही। अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी टोटल गैस, अंबूजा सीमेंट और एसीसी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। अडानी की नेटवर्थ में 12 अक्टूबर के बाद एक दिन में सबसे ज्यादा तेजी आई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 18.2 फीसदी तेजी आई है।

कौन-कौन हैं टॉप में – इस बीच एलन मस्क 913 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर जमे हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 441 अरब डॉलर यानी 93.4 फीसदी की तेजी आई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 355 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 103 अरब डॉलर यानी 40.6 फीसदी उछली है। 31.6 अरब डॉलर गंवाने के बावजूद लैरी पेज 248 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बायनैंस में बड़ी हैकिंग! 5.9 अरब डॉलर की क्रिप्टो चोरी

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस में संभावित साइबर हमले की खबर से हड़कंप मच गया है। ब्लॉकचेन एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म चैनेलिसिस ने चोरी हुई क्रिप्टोकरेंसी की अनुमानित वैल्यू करीब 5.912 अरब डॉलर बताई है। हालांकि, बायनैंस ने अभी तक यूजर्स के फंड चोरी होने की पुष्टि नहीं की है। कंपनी का कहना है कि यूजर्स के पैसे पूरी तरह सुरक्षित हैं और उसकी सिक्योरिटी टीम मामले की जांच कर रही है। बिनांस ने यूजर्स को यह भी सलाह दी है कि वे फर्जी मैसेज, अनधिकृत लिंक और अकाउंट की जानकारी मांगने वाले संदिग्ध अनुरोधों से सावधान रहें।

बिटकाइन में गिरावट – हैकिंग की इस खबर से बिटकॉइन में 3.7 प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह 79,000 डॉलर के स्तर से नीचे गिरकर सितंबर के बाद के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। क्रिप्टो डेटा प्लेटफॉर्म वेलो डेटा के सीईओ और को-फाउंडर फ्रेडरिक कॉलिन्स ने ब्लूमबर्ग को बताया, बायनैंसके हैक होने की अफवाहों के कारण कॉइन की कीमतों में गिरावट आ रही है। उन्होंने आगे कहा, क्रिप्टो मार्केट में बिनांस इतना बड़ा नाम है कि अगर इसमें लोगों का भरोसा डगमगाता है, तो इसका असर पूरी इंडस्ट्री के भरोसे पर पड़ता है।

2.5 अरब डॉलर के फंड फ्रीज करने का दावा – रिपोर्ट के मुताबिक, बायनैंस ने संभावित चोरी को रोकने के लिए करीब 2.5 अरब डॉलर के फंड फ्रीज किए हैं। हालांकि, इस कार्रवाई और कथित चोरी से जुड़े सभी डिटेल्स की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। बायनैंस के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी संभावित सुरक्षा समस्या से जुड़ी रिपोर्टों से अवगत है और मामले की तत्काल जांच कर रही है। कंपनी ने कहा कि अभी तक यूजर्स के फंड पर किसी असर की पुष्टि नहीं हुई है। बिनांस के को-फाउंडर चांगपेंग झाओ ने भी एक्सचेंज के संभावित रूप से हैक होने की आशंका जताई है। हालांकि, इस मामले में आधिकारिक जांच के निष्कर्ष सामने आना बाकी है। बायनैंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर भी पोस्ट के जरिए कहा कि उसकी टीमें सुरक्षा संबंधी रिपोर्टों की जांच कर रही हैं और यूजर्स के फंड सुरक्षित हैं।

2026 में साइबर हमलों से बचाए 4.6 अरब डॉलर: बिनांस – आज बायनैंस की 23 अक्टूबर की एक प्रेस रिलीज भी चर्चा में है। कंपनी के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही में उसके एआई आधारित सुरक्षा सिस्टम ने क्रिप्टोकरेंसी के संभावित नुकसान को रोकने में मदद की। कंपनी ने इससे जुड़े आंकड़े में 4.6 अरब डॉलर की राशि और 80 लाख से अधिक यूजर्स का जिक्र किया था। बायनैंस का कहना है कि वह अकाउंट की सुरक्षा के लिए कई स्तरों पर निगरानी और जोखिम के आधार पर कार्रवाई करने वाली व्यवस्था का इस्तेमाल करता है।

क्रिप्टो मार्केट में हड़कंप –क्रिप्टोकरेंसी की दुनिया में बिनांस एक्सचेंज पर संभावित साइबर अटैक ने चिंता बढ़ा दी है। याहू की खबर के मुताबिक क्रिप्टो ट्रेडिंग फर्म के को-फाउंडर केविन मार्च ने इस घटना को अभूतपूर्व बताया है। उनकी फर्म मार्केट की स्थिति पर नजर रखने के लिए इस कथित साइबर हमले को करीब से ट्रैक कर रही थी। एनालिस्ट्स के मुताबिक, चोरी की रकम के बारे में अभी अलग-अलग अनुमान सामने आ रहे हैं। इसलिए जांच पूरी होने और आधिकारिक जानकारी मिलने तक किसी एक आंकड़े को अंतिम मानना सही नहीं होगा।

25 साल नौकरी के बाद शुरू किया बिजनेस, मॉरीशस में आया आइडिया

खेती के कचरे से बनाया 35 लाख रुपये का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी मॉरीशस में एक इंश्योरेंस कंपनी में बड़े पद पर काम करने वाले विनय बालकृष्णन ने नौकरी के अनुभव को एक नए बिजनेस आइडिया में बदल दिया। उन्होंने कृषि कचरे से पर्यावरण के अनुकूल प्लेट, कटोरे और स्ट्रॉ बनाने का कारोबार शुरू किया। आज उनका ब्रांड थूशान भारत के साथ कई विदेशी बाजारों तक पहुंच चुका है। उनकी कंपनी वीआईआर नेचुरल्स ने पिछले वित्त वर्ष में 35 लाख रुपये का कारोबार किया था और अब चालू वित्त वर्ष में इसे बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

कैसे आया बिजनेस का आइडिया – विनय बालकृष्णन को इस कारोबार का विचार उस समय आया, जब वे मॉरीशस में आइलैंड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के सीईओ के रूप में काम कर रहे थे। वहां उन्होंने देखा कि



खाना परोसने के लिए बायोडिग्रेडेबल प्लेटों का इस्तेमाल किया जाता है। इससे उनके मन में सवाल उठा कि इन प्लेटों को किस तरह बनाया जाता है और क्या भारत में भी ऐसे उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। इसके बाद उन्होंने इस तकनीक के बारे में जानकारी जुटानी शुरू की। उन्हें पता चला कि पोलैंड की एक कंपनी गेहूं के चोकर से प्लेटें बना रही है। यहीं से उन्हें कृषि अपशिष्ट को उपयोगी उत्पादों में बदलने का विचार मिला।

ऐसे की नए सफर की शुरुआत – विनय ने वित्तीय क्षेत्र के अलग-अलग विभागों में करीब 25 साल तक काम किया। उन्होंने केरल यूनिवर्सिटी से एमएससी की पढ़ाई भी की है। वर्ष 2013 में भारत लौटने के बाद उन्होंने एक नए क्षेत्र में काम करने का फैसला किया। विनय ने 2018 से बायोडिग्रेडेबल उत्पादों पर शोध शुरू किया। उनका उद्देश्य ऐसे उत्पाद तैयार करना था, जो प्लास्टिक और दूसरी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली चीजों का विकल्प बन सकें। इसी कोशिश के तहत अगस्त 2021 में करीब 1 करोड़ रुपये के निवेश के साथ वीआईआर नेचुरल्स की शुरुआत हुई।

कृषि कचरे से तैयार किए जा रहे प्रोडक्ट – कंपनी कृषि से निकलने वाले अपशिष्ट का इस्तेमाल करके प्लेट, कटोरे और स्ट्रॉ जैसे उत्पाद बनाती है। इन उत्पादों को बनाने में चार से पांच तरह के कृषि अवशेषों का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी को तिरुवनंतपुरम स्थित वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से भी सहयोग मिला। इसके बाद कंपनी ने थूशान ब्रांड को विकसित किया। मलयालम में थूशान का अर्थ केले का पत्ता होता है। शुरुआत में इस ब्रांड के तहत गेहूं के चोकर से प्लेटें बनाई जाती थीं। बाद में कंपनी ने अपने उत्पादन में बदलाव किया और अब गेहूं के चोकर की जगह पलक्कड़ मट्टायारी का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी के मुताबिक, उसके बायोडिग्रेडेबल उत्पाद एक महीने के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो सकते हैं। इस तरह कृषि अपशिष्ट को फेंकने के बजाय उससे उपयोगी सामान बनाने की कोशिश की जा रही है।

1 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

वीआईआर नेचुरल्स का संचालन बाद में कोयंबटूर स्थानांतरित कर दिया गया। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 35 लाख रुपये का कारोबार किया। अब इसका लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में सालाना कारोबार को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। कंपनी के उत्पाद अलग-अलग आकार और कीमतों में उपलब्ध हैं। थूशान की प्लेटों की कीमत 9 से 15 रुपये के बीच है, जबकि धान के चूरे से बने स्ट्रॉ करीब 2.50 रुपये में बेचे जाते हैं।

10 देशों में पहुंचा कारोबार

वीआईआर नेचुरल्स फिलहाल बिजनेस-टू-बिजनेस मॉडल पर काम करती है। यानी कंपनी अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों को बेचने के बजाय दूसरी कंपनियों और कारोबारियों को सप्लाई करती है। इसके उत्पाद अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया समेत करीब 10 देशों में निर्यात किए जाते हैं।

प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग द्वारा वितरण केंद्र अमलाहा का निरीक्षण

बिल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण एवं ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन, सीहोर



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को सीहोर वृत्त के अमलाहा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व संग्रहण, बकाया राशि की वसूली, उपभोक्ता सेवाओं, विद्युत वितरण ट्रांसफार्मरों के सर्वे, विद्युत चोरी पर प्रभावी नियंत्रण तथा विभिन्न मैदानी गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक श्री गर्ग ने कहा कि चालू माह एवं लंबित राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जाए। बड़े बकायादारों से वसूली के लिए विशेष अभियान चलाएं तथा अद्यतन बकाया सूची तैयार रखें। लंबे समय से लंबित बकायादारों को चिह्नित कर नियमानुसार वसूली अथवा विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि कंपनी के राजस्व में निरन?तर वृद्धि के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाएं। प्रबंध संचालक ने उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बिल संबंधी शिकायतों का अविलंब निराकरण करने तथा औसत एवं त्रुटिपूर्ण बिलों की समीक्षा कर वास्तविक खपत के अनुसार बिलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डिफॉल्टर उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी विद्युत विच्छेदन एवं वसूली की कार्रवाई करने तथा नियम विरुद्ध पुनर्संयोजित पाए जाने वाले मामलों में सख्त वैधानिक कदम उठाने को कहा। प्रबंध संचालक ने वितरण ट्रांसफार्मरों (डीटीआर) की जीआईएस एवं भौतिक मैपिंग तथा लोड बैलेंसिंग का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डीटीआर से संबद्ध उपभोक्ताओं की टैगिंग की स्थिति अद्यतन रखी जाए। इसके साथ ही क्षेत्र के प्रत्येक घर का सर्वे कर अवैध कनेक्शनों को पकड़ कर संबंधित व?यक्ति को नियमित कनेक?शन देने तथा अनमीटर्ड कनेक्शनों का मीटरीकरण करने की कार्रवाई की जाए। उन?होंने निर्देशित किया कि कोई भी परिसर बिना वैध संयोजन के विद्युत उपयोग करता हुआ नहीं पाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं के आधार एवं मोबाइल नंबर का प्रमाणीकरण तथा ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके लिए फील्ड स्टाफ के दैनिक लक्ष्य निर्धारित कर ई-केवाईसी की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा।

साथ ही सभी पत्राचार, फाइलों एवं नोटशीट को अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही प्रेषित करने तथा भौतिक फाइलों का चलन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक श्री गर्ग ने शासकीय स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के विद्युत संयोजनों का भौतिक सत्यापन करने तथा वहां विद्युत प्रदाय की स्थिति की जानकारी लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों के विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनके गांवों एवं घरों में विद्युत आपूर्ति की जमीनी स्थिति की जानकारी ली जाए।

एचआईवी के 95-95-95 लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भोपाल में परामर्शदाताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

एक सत बुलेटिन, मुरैना



नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल द्वारा एचआईवी के 95-95-95 लक्ष्य की प्राप्ति के उद्देश्य से प्रदेश के परामर्शदाताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रशासनिक अकादमी, भोपाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ग्वालियर-चंबल संभाग के आईसीटीसी, एआरटी, एसटीडी, टीआई एवं ओएसटी केंद्रों में कार्यरत लगभग 50 परामर्शदाताओं ने सहभागिता की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पद्मेश उपाध्याय के निर्देशन में मुरैना जिले से सिविल अस्पताल जौरा के आईसीटीसी परामर्शदाता श्री संदीप सेंगर, जिला चिकित्सालय के जय तिवारी तथा एआरटी केंद्र के श्री राघवेन्द्र शर्मा ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनके साथ ग्वालियर एवं दतिया जिले के परामर्शदाताओं ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति की अपर परियोजना संचालक डॉ. नलिनी गोंड, उप संचालक आईसीटीसी श्री वैभव पाटिल, श्री पंकज पागे, श्री अनुपम बौहरे एवं डॉ. सरोज मनी नंदे सहित अन्य प्रशिक्षकों ने विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। अपर परियोजना संचालक डॉ. नलिनी गोंड ने कहा कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिलाओं से जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं को एचआईवी संक्रमण से बचाना हम सभी का प्रमुख लक्ष्य है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी स्थिति में कोई भी बच्चा एचआईवी संक्रमण के साथ जन्म न ले। इसके लिए सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन तथा गर्भावस्था की प्रथम तिमाही में ही एचआईवी, सिफलिस एवं हेपेटाइटिस-बी की जांच सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।सोच सॉफ्टवेयर में आवश्यक जानकारियों की समयबद्ध प्रविष्टि तथा प्रतिमाह की गई गतिविधियों की रिपोर्ट नियमित रूप से अद्यतन करने पर विशेष जोर दिया गया।

मेहगांव में बाल भिक्षावृत्ति के विरुद्ध जागरूकता अभियान का आयोजन



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर श्री पवन जैन के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री महेंद्र सिंह अम्ब के निर्देशन में बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार जागरूकता के माध्यम से बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन हेतु जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। अभियान के दौरान मेहगांव अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना कर्यालय से मुख्य बाजार से होते हुये पुलिस थाना तक विशाल रैली का आयोजन किया गया?। थाने में रैली का समापन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्री रविंद्र शर्मा के द्वारा जन सामान्य से बाल भिक्षावृत्ति रोकने एवं इससे सम्बंधित कानूनी प्रावधानों से जागरुक होने की अपील की गई एवं बाल भिक्षावृत्ति की सूचना प्रदाय किये जाने हेतु टोल फ्री नंबर 1098 व 112 की जानकारी प्रदान की गई। बाल संरक्षण अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा द्वारा बाल भिक्षावृत्ति एवं स्पॉन्सरशिप योजना की तथा श्री जितेंद्र शर्मा द्वारा बाल विवाह के संबंध में जानकारी प्रदान की गई । भिक्षा नहीं शिक्षा के नारे लगाए गए दुकानदारों को बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम का प्रचार प्रसार हेतु पोस्टर कैलेंडर और पेम्पलेट्स भी वितरित किए गए। अभियान में प्रमुख रूप से महिला बाल विकास से संरक्षण अधिकारी श्री अनिल कुमार शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता संजय मिश्रा, आंकड़ा विश्लेषक जितेंद्र कुमार शर्मा, सहायक आंकडा प्रविष्टिप्रचालक, मेहगांव थाना समस्त स्टाफ एसजेपीयू शाखा से प्रधान आरक्षक मुन्ना सिंह नरवरिया व प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी मेहगांव श्रीमती कृष्णा कुशवाहा, श्री अरविंद भदौरिया, श्री दीपक कुमार ओझा, श्री मौजीलाल प्रजापति पर्यवेक्षका एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आमजन समुदाय उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि बच्चों के हाथों में कटोरा या भीख का सामान नहीं, बल्कि कलम और पुस्तकें होनी चाहिए। बाल भिक्षावृत्ति न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाती है, बल्कि यह एक सामाजिक अभिशाप भी है। जागरूकता रथ और रैली: मेहगांव के प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें लोगों से बच्चों से भीख न दिलवाने और न ही भीख देने की अपील की गई। बाल श्रम में पाए जाने पर तत्काल 'चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098' पर सूचना देने का आग्रह किया गया।

31 अक्टूबर को मुरैना में आयोजित होगी रन फॉर यूनिटी एवं यूनिटी मार्च रैली

मुरैना! राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को मुरैना में रन फॉर यूनिटी एवं यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला पंचायत कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आयोजन की व्यवस्थाओं एवं दायित्वों के संबंध में निर्देश दिए गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रैली प्रातः 9 बजे के.एस. चौराहे से प्रारंभ होकर बस स्टैंड होते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम मुरैना में समाप्त होगी। रैली में उच्च शिक्षा, एनसीसी एवं एनएसएस के 100 विद्यार्थी, स्कूल शिक्षा विभाग के 200 विद्यार्थी, स्काउट गाइड के 50, खिलाड़ी 50, अन्य विभागों के 50 तथा पुलिस एवं एसएएफ के 100 जवानों सहित लगभग 550 प्रतिभागियों की सहभागिता रहेगी।



जन विश्वास अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने ग्राम खड़ेर का किया निरीक्षण

आबादी भूमि के पट्टों की रजिस्ट्री कराने और पराली नहीं जलाने की दी समझाइश, ग्रामवासियों से संवाद कर जानी समस्याएं

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री पवन जैन ने शुक्रवार को विकासखंड गोहद के ग्राम खड़ेर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय ग्राम पंचायत भवन खड़ेर में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शासकीय योजनाओं के लाभ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी अपने आबादी भूमि के पट्टों की रजिस्ट्री कराएं, सरकार द्वारा चलाई गई स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी भूमि के पट्टों की रजिस्ट्री का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इससे आप सभी को अपने आवासों का अधिकार मिलेगा और अपने आवासीय भूमि पर लोन भी ले सकते हैं। कलेक्टर ने ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि अपने खेतों में पराली नहीं जलायें, इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है, साथ ही प्रदूषण भी होता है। इसलिए फसल कटने के बाद पराली का उचित प्रबंधन करें, खेतों में नहीं जलायें। उन्होंने लोगों को खाद बीज की उपलब्धता, आचार्य विद्यासागर योजना, डॉ भीमराव अम्बेडकर योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आबादी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन एवं राशन वितरण, फोती नामांतरण, स्कूल तथा आंगनवाड़ी संचालन की जानकारी ली और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जन विश्वास अभियान का उद्देश्य जनता की शिकायतों और योजनाओं से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान, एसडीएम गोहद श्री विकास केमोर, सीईओ जनपद गोहद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बाजरा बीज के नमूनों में निर्धारित मानक से कम मिला अंकुरण प्रतिशत, कृषि विभाग की कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, मुरैना



कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में तथा कृषि विभाग के उप संचालक अनंत सड़ैया के मार्गदर्शन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीज गुण नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खरीफ वर्ष 2026 के दौरान अम्बाह की 4 बीज विक्रय फर्मों से लिए गए बीज नमूनों की जांच में अंकुरण प्रतिशत निर्धारित न्यूनतम मानक से कम पाए जाने पर संबंधित फर्मों के बीज विक्रय लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं। बीज निरीक्षक एवं पदेन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड अम्बाह द्वारा लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए बीज परीक्षण प्रयोगशाला, मुरैना भेजा गया था। प्रयोगशाला की रिपोर्ट के अनुसार मैसर्स दीक्षित बीज भंडार, रानपुर अम्बाह से बाजरा बाजरा किस्म पीए 9001, मैसर्स श्री महाकाल कृषि सेवा केन्द्र, वाटर वर्क्स रोड़ अम्बाह से बाजरा किस्म जेकेबीएच 2040, मैसर्स तोमर ट्रेडर्स, कन्या शाला रोड़ अम्बाह से बाजरा किस्म पीए 9001 और मैसर्स जय बजरंग बीज भण्डार, सेन्ट्रल बैंक के पास मुरैना रोड़ अम्बाह से बाजरा किस्म पीए 9001 के नमूनों का अंकुरण प्रतिशत क्रमशः 67, 68, 68 एवं 69 प्रतिशत पाया गया। संबंधित फर्मों को पूर्व में बीज विक्रय प्रतिबंधित करने के आदेश एवं कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए थे। जवाब प्रस्तुत नहीं करने तथा अमानक बीज के प्रकरणों के आधार पर विभाग ने बीज अधिनियम, 1966 की धारा 7 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए चारों फर्मों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। लाइसेंस निलंबन अवधि में संबंधित फर्में बीज का विक्रय नहीं कर सकेंगी।

सरसई में जनकल्याण शिविर आयोजित कलेक्टर ने किया आयुष्मान आरोग्य मंदिर सरसई का किया निरीक्षण

दतिया! मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम सरसई में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याएं सुनी गईं तथा उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की गई। जन कल्याण शिविर के दौरान सरसई वासियों द्वारा ग्राम पहुंच मार्ग एवं धमना सरसई मार्ग की मरम्मत एवं नाला निर्माण की समस्या को कलेक्टर के समक्ष रखते हुए निराकरण कराने की बात कही। जिस पर कलेक्टर श्री वानखड़े द्वारा तत्काल एसडीओ पीडब्लूडी को शीघ्र से शीघ्र दोनो कार्य गुणवत्ता पूर्वक कराने के निर्देश दिए। उद्यम संवाद में स्पर्श अग्रवाल को मिला 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र जनकल्याण शिविर के दौरान आयोजित उद्यम संवाद में स्पर्श अग्रवाल को मुख्यमंत्री उद्यमक्रांति योजना के तहत् इलेक्ट्रोनिक शोरूम की सिपना हेतु 10 लाख रूपये का ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर का किया निरीक्षण कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा ग्राम पंचायत सरसई पहुंचकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित नर्सिंग स्टॉफ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता से संवाद कर आरोग्य मंदिर में प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

ग्राम विकास के लिए प्रस्फुटन समितियों का सशक्त और सक्रिय होना जरूरी : जिला समन्वयक

अपने-अपने सेक्टर में प्रवास बढ़ाएं नवांकुर संस्थाएं : संभाग समन्वयक

एक सत बुलेटिन, भिण्डह्य



मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला भिण्ड द्वारा जिला पंचायत सभागार में नवांकुर संस्थाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चंबल संभाग समन्वयक श्री धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया एवं जिला समन्वयक डॉ. शिवप्रताप सिंह भदौरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। बैठक में जिले की विभिन्न नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों, समस्त विकासखंड समन्वयकों ने सहभागिता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य नवांकुर संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा करना, सेक्टर स्तर पर संचालित गतिविधियों की प्रगति जानना तथा ग्राम विकास के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए चंबल संभाग समन्वयक श्री धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि नवांकुर संस्थाएं अपने-अपने आवंटित सेक्टर में प्रवास की गतिविधियां बढ़ाएं। संस्थाओं की वास्तविक भूमिका केवल कार्यालय अथवा बैठकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें गांवों में पहुंचकर समाज के विभिन्न वर्गों से सतत संपर्क स्थापित करना चाहिए। ग्राम स्तर पर प्रस्फुटन समितियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ संवाद बढ़ाकर स्थानीय आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना होगा। उन्होंने कहा कि नियमित ग्राम प्रवास से ही योजनाओं की वास्तविक स्थिति का पता चलता है और जनभागीदारी के माध्यम से विकास के नए अवसर तैयार होते हैं। श्री सिसोदिया ने बैठक में नवांकुर संस्थाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए उनकी गतिविधियों, उपलब्धियों और कार्यप्रणाली पर चर्चा की। उन्होंने अपेक्षा जताई कि प्रत्येक संस्था अपने सेक्टर में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सक्रियता से कार्य करे तथा परिषद द्वारा संचालित कार्यक्रमों और अभियानों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कार्यों में निरंतरता, आपसी समन्वय और जवाबदेही को आवश्यक बताते हुए कहा कि ग्राम विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से मैदानी स्तर पर काम करना होगा। इस अवसर पर जिला समन्वयक डॉ. शिवप्रताप सिंह भदौरिया ने कहा कि ग्राम विकास की पूरी अवधारणा को साकार करने के लिए प्रस्फुटन समितियों का सशक्त, सक्रिय और जागरूक होना बेहद जरूरी है। प्रस्फुटन समितियां ग्राम विकास की आधारभूत इकाई हैं। इनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नवांकुर संस्थाओं का दायित्व है कि वे अपने सेक्टर की प्रस्फुटन समितियों के साथ नियमित बैठकें करें।

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय 'राज्योत्सव' 1 से 3 नवंबर तक

मुख्यमंत्री कल करेंगे मुख्य सांस्कृतिक समारोह का मंगलारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस के अवसर पर लाल परेड ग्राउंड में 01 से 03 नवम्बर, 2026 तक तीन दिवसीय 'राज्योत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 01 नवम्बर, 2026 को स्थापना दिवस के मुख्य समारोह और विभिन्न राज्यस्तरीय प्रदर्शनियों का विधिवत मंगलारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 11 बजे लाल परेड ग्राउंड में आधुनिक कृषि प्रदर्शनी, विकास दीर्घा, महिला उद्यमिता मंडप और देशज व्यंजन मेले का उद्घाटन कर अवलोकन करेंगे। इसके बाद शाम 6:30 बजे से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में मुख्य सांस्कृतिक संध्या और समारोह का गरिमामय शुभारंभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्योत्सव के माध्यम से प्रदेशवासियों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए जनकल्याण और विकास के नए संकल्पों की रूपरेखा साझा करेंगे। मध्यप्रदेश की सात दशकों की गौरवशाली विकास यात्रा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए मध?यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा



यह राज्यस्तरीय समारोह गरिमामय स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय उत्सव में प्रतिदिन सुगम संगीत, लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियां, वाद्यवृंद, भव्य आतिशबाजी, हस्तशिल्प और विकास प्रदर्शनियों के साथ-साथ देशज व्यंजनों का मेला लगेगा, जो नागरिकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। प्रदेश के 102 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को मिलेगी भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति शिक्षा और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के 102 मेधावी विद्यार्थियों को 'भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति' और प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेंगे। संस्कृति विभाग के अंतर्गत श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा संचालित इस योजना में प्रत्येक चयनित मेधावी विद्यार्थी को एक लाख रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी। जिलावार चयन में खंडवा जिले से सर्वाधिक 6 विद्यार्थी चयनित हुए हैं। इसके अलावा अशोकनगर, बड़वानी, नर्मदापुरम, सिवनी, सिंगरौली और उमरिया से 4-4 विद्यार्थी तथा बुरहानपुर, छतरपुर, गुना, झाबुआ, कटनी, मऊगंज, सागर, सतना, श्योपुर और उज्जैन से 3-3 विद्यार्थियों को इस प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति के लिए चुना गया है। 'किसान स्वाभिमान पर्व क्विज' के 165 विजेताओं को मुख्यमंत्री द्वारा 55 ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल और ई-स्कूटर का होगा वितरण कृषि ज्ञान और शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से आयोजित 'किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्विज' के 165 विजेताओं को मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। वीर भारत न्यास एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में प्रदेशभर के लगभग 40 हजार किसानों ने भाग लिया था, जिनमें से शत-प्रतिशत अंक लाने वाले 15,298 प्रतिभागियों की मेरिट से लॉटरी द्वारा 55 जिलों के 165 विजेताओं का चयन किया गया है। प्रत्येक जिले के तीन विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में 55 ट्रैक्टर, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 55 बुलेट मोटरसाइकिल और तृतीय पुरस्कार के रूप में 55 ई-स्कूटर प्रदान किए जा रहे हैं। भोपाल जिले के विजेताओं को मुख्यमंत्री स्वयं सम्मानित करेंगे, जबकि अन्य जिलों में प्रभारी मंत्रियों द्वारा पुरस्कार बांटे जाएंगे। 'विरासत से विकास के पथ की ओर अग्रसर प्रदेश' की मूल अवधारणा पर आधारित होगा संपूर्ण आयोजन राज्य मंत्री श्री लोधी ने बताया कि इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह की केंद्रीय थीम 'विरासत से विकास के पथ की ओर अग्रसर प्रदेश' रखी गई है। यह अवधारणा मध्यप्रदेश की समृद्ध आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और जनजातीय जड़ों को संरक्षित रखते हुए अधोसंरचना, कृषि, औद्योगिक निवेश, पर्यटन, तकनीकी नवाचार और रोजगार सृजन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते आत्मनिर्भर प्रदेश के संकल्प को रेखांकित करती है। खेतों में अन्न उपजाते किसानों का परिश्रम, युवाओं के नवप्रयास, महिलाओं की भागीदारी और लोकपरंपराएं मिलकर विकसित मध्यप्रदेश की नींव रख रही हैं। यह समारोह अतीत के गौरव का स्मरण, सशक्त वर्तमान का उत्सव और समृद्ध भविष्य के सामूहिक निर्माण का सशक्त प्रतीक है। 'राजा भोज का भोपाल' पर 160 वाटर कलर चित्रों की प्रदर्शनी, आधुनिक कृषि तकनीक, महिला उद्यमिता मंडप और 'स्वाद-देशज व्यंजन मेला' रहेंगे प्रमुख आकर्षण लाल परेड ग्राउंड में आयोजित बहुआयामी प्रदर्शनियों में महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ द्वारा आयोजित कार्यशाला में वरिष्ठ चित्रकारों द्वारा तैयार 'राजा भोज का भोपाल' विषयक 160 वॉटर कलर चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जा रही है, जो भोपाल परिक्षेत्र की प्राचीन विरासत को दर्शाएगी। इसके साथ ही कृषि प्रदर्शनी में उन्नत बीज, जैविक इनपुट्स, स्मार्ट सिंचाई और एग्री-स्टार्टअप्स के नवाचार प्रदर्शित होंगे। महिला उद्यमिता मंडप व किसान बाजार में स्व-सहायता समूहों के उत्पाद और हस्तशिल्प बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं 'स्वाद-देशज व्यंजन मेला' में मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकोशल के व्यंजनों का अनूठा स्वाद नागरिकों के लिए प्रतिदिन दोपहर 12 से रात्रि 8 बजे तक उपलब्ध रहेगा।

31 अक्टूबर को लोक एवं जनजातीय कलाकारों के साथ भोपाल के चार प्रमुख मार्गों से निकाली जाएंगी सांस्कृतिक गौरव यात्राएं

स्थापना दिवस में जनसहभागिता बढ़ाने और नागरिकों को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने के लिए पूर्वरंग में 400 से अधिक लोक एवं जनजातीय कलाकारों के साथ सांस्कृतिक गौरव यात्राएं निकाली जा रही हैं। 30 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से संत हिरदाराम नगर से लाल परेड ग्राउंड तथा जवाहर चौक से मंडीदीप तक यात्राएं निकाली गईं। वहीं, 31 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से पहली यात्रा ज्योति टॉकीज से प्रारंभ होकर बोर्ड ऑफिस चौराहा, 10 नंबर मार्केट, शाहपुरा लेक, कोलार रोड, नेहरू नगर और नीलबड़ होते हुए रातीबड़ पहुंचेगी। इसी दिन दूसरी यात्रा बैरसिया से शुरू होकर नादरा बस स्टैंड, अशोका गार्डन, गोविंदपुरा, पिपलानी और अयोध्या नगर होते हुए आनंद नगर में संपन्न होगी। इन यात्राओं के जरिए आमजन को प्रदेश की समृद्ध लोककलाओं, वाद्ययंत्रों और जनजातीय परंपराओं को साक्षात देखने का अवसर मिलेगा।

डीआरएम ने 25 सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को दी भावभीनी विदाई

सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को 10.99 करोड़ रुपये की अंतिम निपटान राशि का किया गया भुगतान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में रेल सेवा के प्रति वर्षों तक समर्पित भाव से योगदान देने वाले अक्टूबर 2026 में सेवानिवृत्त हुए 25 रेलकर्मियों को मंडल कार्यालय में आयोजित गरिमामय समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। समारोह की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने की। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के दीर्घकालीन सेवाकाल एवं रेल संगठन में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया तथा उनके सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त हुए 25 रेलकर्मियों में मुख्य कार्यालय अधीक्षक, तकनीशियन,



हेल्पर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, ट्रैक मेनटेनर, शंटिंग मास्टर एवं सब इन्स्पेक्टर सहित विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हुए सभी 25 रेलकर्मियों को अंतिम निपटान राशि के रूप में कुल 10.99 करोड़ का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से किया गया। इसके साथ ही सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को आई-पास पोर्टल के माध्यम से पेंशन भुगतान आदेश, मानार्थ पास, परिचय पत्र तथा उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड भी प्रदान किए गए। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली सुविधाओं एवं वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक एवं पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई।समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री विजय सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती जान्हवी तिवारी, सहायक कार्मिक अधिकारी वाई.बी. गुप्ता, यूनियन के प्रतिनिधिगण एवं ऑल इंडिया रिटायर्ड रेलवेमेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने किया भूमिपूजन

विश्वकर्मा मंदिर के पास बनेगा आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, 3.13 करोड़ रुपये होंगे खर्च

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**

नगर पालिका परिषद बैरसिया द्वारा नगर के विकास और व्यापारिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। विश्वकर्मा मंदिर के समीप बनने वाले आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का शुक्रवार को विधि-विधान से भूमिपूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने विधिवत पूजन-अर्चना कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण लगभग 3 करोड़ 13 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसमें कुल 22 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। खास बात यह है कि दुकानदारों और ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कॉम्प्लेक्स परिसर में पार्किंग की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। इससे नगर में व्यवस्थित व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय व्यापारियों को बेहतर व्यावसायिक स्थान उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि नगर का विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स



बनने से व्यापारियों को सुविधाजनक दुकानें मिलेंगी और नगर की व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। नगर पालिका द्वारा भविष्य में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में सीएमओ राजेंद्र सक्सेना, पार्षद टिक्कू जैन, रणधीर सिंह तखत सिंह प्रेम यादव नीरज नामदेव, संजय कुशवाहा राधे पटेल कमलेश कुशवाहा सुनील खटीक मुकीम बाबा, एल्डरमैन राकेश गुप्ता, राधेश्याम शिल्पकार, प्रताप सिंह राजपूत, श्याम विश्वकर्मा, धर्मेंद्र भदोरिया, बृज यादव, विकास राजपूत पप्पू भैया प्रजापति मधुर चौरसिया, इंजीनियर कीर्ति चौहान सहित नगर पालिका के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सहित नपा कर्मचारी उपस्थित रहे।

डेंगू एवं मलेरिया से बचाव हेतु विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगाए जागरूकता पोस्टर

भोपाल

डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम तथा आमजन में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला मलेरिया कार्यालय, भोपाल द्वारा आज निर्धारित विभिन्न शासकीय कार्यालयों, चिकित्सालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर डेंगू एवं मलेरिया से बचाव संबंधी जागरूकता पोस्टर लगाए गए। इस अभियान के अंतर्गत 20 विभिन्न स्थलों पर पोस्टर लगाकर आम नागरिकों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। पोस्टरों के माध्यम से नागरिकों को संदेश दिया गया कि घरों एवं आसपास पानी जमा न होने दें, पानी की टंकियों एवं पात्रों को ढंककर रखें, कूलर



एवं अन्य जल संग्रहण पात्रों की नियमित सफाई करें तथा मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें एवं मच्छरदानी का उपयोग करें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि डेंगू एवं मलेरिया की रोकथाम में सहयोग करें तथा बुखार आने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच एवं उपचार कराएं।डेंगू एवं मलेरिया से बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है।

निर्वाचन भवन में दो अधिकारियों–कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति अवसर पर विदाई समारोह आयोजित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

भोपाल स्थित निर्वाचन भवन, मध्यप्रदेश में आज 30 अक्टूबर 2026 को उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव एवं सहायक ग्रेड-1 श्रीमती हर्षा चंद्रवानी के सेवानिवृत्ति अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने दोनों के सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव का निर्वाचन कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दोनों कर्मचारी कार्यालय के अनुभवी और



विशेषज्ञ सदस्यों में शामिल रहे हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली से कार्यालय के अन्य सदस्यों को भी सीखना चाहिए। इस अवसर पर श्री संजय श्रीवास्तव ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कार्यालय के सभी सहकर्मी उनके लिए परिवार के समान रहे हैं। मध्यप्रदेश निर्वाचन कार्यालय में कार्य करना उनके लिए गर्व का विषय रहा है। समारोह में कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने दोनों के स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 की मूल भावना के अनुरूप किसानों को मिल रही निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली

भोपाल। राज्य सरकार द्वारा घोषित 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' की मूल भावना के अनुरूप मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किसानों को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा गया है। ग्रामीण परिवारों एवं किसानों के सशक्तिकरण के लिए अभिनव योजना के अंतर्गत मात्र ?5 में स्थायी घरेलू एवं कृषि पंप विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 2.56 लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को नवीन विद्युत कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जिनमें 1.30 लाख कृषि पंप एवं 1.25 लाख घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बीपीएल श्रेणी के 12,251 उपभोक्ताओं को भी मात्र ?5 में बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। कंपनी द्वारा किसानों को सुगम एवं विश्वसनीय सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'स्वयं का ट्रांसफार्मर' योजना का भी प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 1.50 लाख से अधिक कृषकों को लाभान्वित किया गया है। योजना के माध्यम से किसानों के कृषि पंपों के लिए अधिक विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं उपभोक्ता सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराकर उनकी सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना तथा ग्रामीण परिवारों को सरल एवं सुगम विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत संभागायुक्त ने विदिशा ज़िले में गौशाला का किया अवलोकन

गौ संवर्धन के क्षेत्र में ग्राम बिछिया की गौशाला के प्रयास सराहनीय : संभागायुक्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने शुक्रवार को विदिशा जिले के ग्राम बिछिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम बिछिया स्थित आदर्श श्री गोपाल कृष्ण गौशाला पहुंचकर गौ संवर्धन एवं गौ संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और गतिविधियों का अवलोकन किया।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने गौशाला में संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए गौवंश के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके समुचित रखरखाव के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं गौ संवर्धन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इन्हें सराहनीय बताया। श्री शर्मा ने कहा कि गौशालाएं केवल गौवंश के संरक्षण का केंद्र ही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक संसाधनों के उपयोग और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। गौशालाओं के बेहतर संचालन और व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सामूहिक सहभागिता एवं निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। कलेक्टर विदिशा श्री अंशुल गुप्ता ने ग्राम बिछिया में स्थित आदर्श गौशाला में गौवंश के लिए उपलब्ध कराई गई विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं से संभागायुक्त को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गौशाला में गौवंश के समुचित रखरखाव, उनके खान-पान एवं



सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। गौवंश की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए भी विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि गौवंश को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण मिल सके। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग के माध्यम से गौवंश के स्वास्थ्य की देखभाल एवं बीमार पशुओं के उपचार के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौशालाओं में पशुओं के स्वास्थ्य संरक्षण, समय पर उपचार तथा आवश्यक पशु चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस अवसर पर विदिशा ज़िले के पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वनमंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। गौ वंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयास अनुकरणीय हैं। ग्राम बिछिया स्थित गौशाला में गौ माता की देखरेख, चारे-पानी की व्यवस्था और गौ उत्पादों के निर्माण के लिए किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। यह बात संभागायुक्त श्री शर्मा ने ग्राम बिछिया की गौशाला के निरीक्षण के दौरान कही।

संभागायुक्त ने गौशाला परिसर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं, हरा चारा, पेयजल, शेड और औषधीय प्रणालियों का जायजा लिया। उन्होंने गौशाला प्रबंधन द्वारा अपनाई जा रही व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले की अन्य गौशालाओं में भी इसी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उत्कृष्ट रखरखाव की सराहना: संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बिछिया गौशाला का मॉडल प्रेरणादायक है।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784